संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक-013/रायगढ़/2020-2022

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 261 बुधवार 23 जुलाई 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

अब कौन बनेगा देश का अगला उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति के लिए संभावित नामों की चर्चा जोरों पर...

नई दिल्ली,22 जुलाई 2025 ए)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार शाम अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपे अपने इस्तीफे में धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया। यह फैसला संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन आया, जिसने उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति को लेकर चर्चाओं को तेज कर दिया। सत्तारूढ़ भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पास लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों सहित निर्वाचक मंडल में बहुमत है, इसलिए अगले उपराष्ट्रपति के चयन में उसकी भूमिका निर्णायक होगी। संविधान के अनुच्छेद 68 के अनुसार, उपराष्ट्रपति पद की रिक्ति को यथाशीघ्र भरा जाएगा। नवनिर्वाचित व्यक्ति अपने पदभार ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्ष तक पद पर रहेगा। भाजपा के पास इस पद के लिए कई अनुभवी नेता उपलब्ध हैं। धनखड़ के पूर्ववर्ती एम वेंकैया नायडू, जो 2017 में उपराष्ट्रपति बने थे,पहले मोदी मंत्रिमंडल में थे। संभावना है कि पार्टी किसी राज्यपाल,केंद्रीय मंत्री या संगठन के वरिष्ठ नेता को यह जिम्मेदारी सौंप सकती है।

राज्यसभा के उपसभापति और जदयू सांसद हरिवंश का नाम भी चर्चा में है, क्योंकि वे 2020 से इस पद पर हैं और सरकार का भरोसा जीत चुके हैं। एक भाजपा नेता ने कहा, पार्टी ऐसा उम्मीदवार चुनेगी जो विवादों से मुक्त हो और सभी को स्वीकार्य हो। धनखड़ का कार्यकाल विपक्ष के साथ तनावपूर्ण रहा,खासकर उनकी तीखी टिप्पणियों के कारण। मार्च 2025 में उनकी एंजियोप्लास्टी हुई थी, जिसके बाद उनकी सेहत को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। अब सबकी नजर इस बात पर है कि अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिया पद से इस्तीफा

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित एक पत्र में स्वास्थ्य संबंधी कारणों और चिकित्सा सलाह का हवाला देते हुए संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के तहत अपने इस्तीफे की घोषणा की। राष्ट्रपति मुर्मू को संबोधित अपने पत्र में जगदीप धनखड़ ने लिखा,'स्वास्थ्य की प्राथमिकता और चिकित्सकीय सलाह का पालन करते हुए, मैं भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र दे रहा हूं.'। उन्होंने राष्ट्रपति को उनके सहयोग और सौहार्दपूर्ण संबंधों के लिए धन्यवाद दिया. साथ ही प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद को भी उनके सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर पीएम मोदी की पहली प्रतिक्रिया, लिखा- आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं...

जगदीप धनखड़ की ओर से कल सोमवार को उपराष्ट्रपति के पद से अचानक इस्तीफा दिए जाने के बाद सियासी माहौल गरम हो गया है। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों को अपने इस्तीफे की वजह बताई है। अब पीएम नरेंद्र मोदी ने धनखड़ के इस्तीफे को लेकर पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

राष्ट्रपति के रेफरेंस पर एससी का केंद्र-राज्यों को नोटिस

1 हफ्ते में देना होगा जवाब

नई दिल्ली,22 जुलाई 2025 ए)। सुप्रीम कोर्ट के संविधान पीठ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से भेजे गए संदर्भ पर केंद्र सरकार और देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जवाब मांगा है. संविधान पीठ में सीजेआई बी आर गवई, जस्टिस सूर्यकांत,जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर शामिल है. संविधान पीठ की अध्यक्षता कर रहे सीजेआई बी आर गवई ने कहा कि अगली सुनवाई में हम समय-सीमा तय करेंगे। कोर्ट 29 जुलाई को इस मामले में अगली सुनवाई करेगा. मामले की सुनवाई के दौरान केरल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील के के वेणुगोपाल ने राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए संदर्भ पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह मुद्दा सुनवाई योग्य नहीं है। वहीं, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आज यह मुद्दा उठाना जल्दबाजी होगी। इसपर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने भी सहमति जताई।

राष्ट्रपति ने एससी से 14 संवैधानिक सवालों पर राय मांगी...

तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील ने भी राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए संदर्भ की योग्यता पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि हम सीधे प्रभावित होने वाले पक्ष है. लिहाजा यह सुनवाई योग्य नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला 8 अप्रैल को सुनाया था. राष्ट्रपति ने फैसलों के संवैधानिक मूल्यों और व्यवस्थाओं के विपरीत बताया और इसे संवैधानिक सीमाओं का अतिक्रमण करार दिया है।

क्या है अनुच्छेद 67(ए) ?

अनुच्छेद 67(ए) उपराष्ट्रपति के इस्तीफे की प्रक्रिया को स्पष्ट करता है. इसके तहत निम्नलिखित बातें महत्वपूर्ण हैं।

- इस्तीफा केवल उपराष्ट्रपति को ही दिया जा सकता है, किसी अन्य को नहीं-इस्तीफा लिखित रूप में होना चाहिए।
- इस्तीफा स्वीकार होते ही पद रिक्त हो जाता है।
- इस्तीफे के बाद, नया उपराष्ट्रपति चुने जाने तक राज्यसभा के उपसभापति कार्यवाहक सभापति बन जाते हैं।
- उपराष्ट्रपति के इस्तीफे से जुड़े कुछ अन्य जरूरी तथ्य
- उपराष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है, लेकिन वे इस्तीफा देकर या अन्य कारणों से पद छोड़ सकते हैं।
- उपराष्ट्रपति को संसद के दोनों सदनों के विशेष बहुमत से हटाया भी जा सकता है, लेकिन इस्तीफा स्वैच्छिक प्रक्रिया है।
- यदि राष्ट्रपति का पद रिक्त हो जाए, तो उपराष्ट्रपति कार्यवाहक राष्ट्रपति बन जाते हैं. लेकिन यदि उपराष्ट्रपति ने इस्तीफा दे दिया है,तो यह जिम्मेदारी मुख्य न्यायाधीश को मिलती है।
- अब तक भारत में उप राष्ट्रपति के रूप में वी.वी. गिरी ने इस्तीफा दिया था, जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव लड़ना था।
- भारत के संविधान ने उपराष्ट्रपति के इस्तीफे की प्रक्रिया को पूरी तरह स्पष्ट और पारदर्शी बनाया है. अनुच्छेद 67(ए) के तहत उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति को लिखित इस्तीफा देना होता है. इस्तीफे के बाद, राज्यसभा के उपसभापति जिम्मेदारी संभालते हैं और छह महीने के भीतर नया उपराष्ट्रपति चुना जाता है. यह व्यवस्था देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक मजबूती को दर्शाती है, जिससे सत्ता का हस्तांतरण सुचारू रूप से हो सके।

एसआईआर पर बिहार विधानसभा में हंगामा

विपक्ष की नारेबाजी पर नीतीश ने खड़े होकर बजाई ताली

पटना,22 जुलाई 2025 ए)। बिहार चुनाव से पहले वोटर लिस्ट को लेकर सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है, जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्ष ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। एस आई आर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विपक्षी सदस्य हाथों में पोस्टर लिए वेल में आ गए। विपक्ष ने काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन किया, विपक्ष के विधायक मुख्य प्रवेश द्वार पर बैठ गए,और एसआई आर को वापस लेने की मांग उठाईमार्शल उन्हें वहां से हटाने की कोशिश की. विपक्ष का आरोप है कि सरकार उसकी आवाज को दबाना चाहती है। स्पीकर नंदकिशोर यादव को भी अंदर जाने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी. जिसके बाद स्पीकर मार्शल की मदद से अंदर गए। हंगामे के बीच एक दिलचस्प बात देखने को यह मिली कि जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष की नाराजगी पर मुस्कराए और ताली बजाकर प्रतिक्रिया दी। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सदन में मौजूद नहीं। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। विपक्ष के सदस्यों का धरना प्रदर्शन करीब 45 मिनट तक चला। जिसकी वजह से विधानसभा के अंदर मेंबर्स की एंट्री में बाधा आ रही थी। जिसके चलते विधानसभा का दूसरा गेट खोला गया और फिर इसके बाद विधानसभा के सदस्य सदन के अंदर एंट्री ले पाए. बिहार वोटर लिस्ट रिवीजन के खिलाफ विपक्ष सरकार पर निशाना साध रहा है। इसलिए ही विपक्ष लगातार विरोध करते हुए नजर आ रहा है.ऐसा पहली बार नहीं है कि जब नीतीश कुमार ने चौंकाया है।

संक्षिप्त खबरें

मानव तस्करी का भंडाफोड़

» 56 लड़कियों को रेलवे पुलिस ने बचाया, दो गिरफ्तार

सिलीगुड़ी,22 जुलाई 2025 ए)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 56 युवतियों को मानव तस्करी के संदेह में बचाया है। इन युवतियों को बीती रात न्यू जलपाईगुड़ी-पटना कैपिटल एक्सप्रेस ट्रेन से रेस्क्यू किया गया। इस मामले में एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है।

महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया-राहुल गांधी

धार,22 जुलाई 2025 ए)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धार जिले की पर्यटन नगरी मांडू में कांग्रेस के नव संकल्प शिविर को संबोधित किया। दो दिवसीय शिविर के पहले दिन सोमवार को राहुल गांधी वर्चुअली जुड़े थे।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी और हमारा गठबंधन लोकसभा चुनाव में जीता था। उसके 4 महीने बाद बीजेपी स्वीप करती है। वह कोई मामूली स्वीप नहीं थी।जब हमने आंकड़े देखें तो वोटर लिस्ट की मांग की। हमें पता लगा कि लोकसभा और विधानसभा में एक करोड़ वोटरों का फर्क है। एक करोड़ नए वोटर विधानसभा में आए और उन्होंने वोट किया। जहां भी इन वोटरों ने वोट किया उन सीटों पर बीजेपी जीत गई। मैं बिना किसी शक के आपसे कहता हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया है। इलेक्शन कमीशन बीजेपी की पूरी मदद कर रहा है।

अब भारत के दुश्मनों की खैर नहीं

सेना को मिले खतरनाक अपाचे हेलीकॉप्टर...भारत पहुंची पहली खेप

नई दिल्ली,22 जुलाई 2025 ए)। अमेरिका से खरीदे गए अटैक अपाचे हेलीकॉप्टर भारतीय सेना शामिल होने जा रहे हैं। मंगलवार को गाजियाबाद स्थित वायुसेना के हिंडन एयरबेस पर भारतीय थल सेना के लिए अपाचे हेलीकॉप्टर्स की पहली खेप पहुंची। यहां तीन अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर की पहली खेप हिंडन एयरबेस पर सफलतापूर्वक उतारी गई है। ये अटैक हेलीकॉप्टर सेना के एविएशन विंग का हिस्सा होंगे। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक भारतीय थल सेना के लिए यह दिन एक ऐतिहासिक उपलब्धि लेकर आया है। भारतीय सेना को ऐसे कुल छह हेलीकॉप्टर मिलने हैं। माना जाना है कि अमेरिका से शेष तीन हेलीकॉप्टर्स की डिलीवरी इस वर्ष के अंत तक हो जाएगी। अपाचे हेलीकॉप्टर को फ्लाइंग तोप भी कहा जाता है। ये दुनिया के सबसे उन्नत अटैक हेलीकॉप्टर में शुमार हैं। अपाचे हेलीकॉप्टर में 30 एमएम चेन गन,रॉकेट पॉड्स, लेजर और रडार-निर्देशित हेलफायर मिसाइलें हैं। ये घातक हेलीकॉप्टर एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकते हैं। यह पहाड़ी व जटिल इलाकों में उड़ान भरने में सक्षम है। साथ ही इसमें सीमा पार जबरदस्त हमला करने की क्षमता है। ये अटैक हेलीकॉप्टर पहाड़ी युद्ध क्षेत्रों में बने दुश्मन के बंकर और आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने में भी सक्षम हैं। यही कारण है कि भारतीय थल सेना को अटैक अपाचे हेलीकॉप्टर मिलने से सेना की शक्ति में तो जबरदस्त इजाफा हुआ है, इसके साथ ही सेना के रिस्पांस टाइम में भी तेजी आएगी। सेना के एविएशन कोर को मिलने वाले अपाचे हेलीकॉप्टर की यह पहली खेप है, जोकि मंगलवार को भारत पहुंची है। सेना का मानना है कि अत्याधुनिक तकनीक से लैस ये हेलीकॉप्टर भारतीय सेना की संचालन क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे।

जस्टिस वर्मा पर महाभियोग के पक्ष में 208 सांसदों का लेटर

नई दिल्ली,22 जुलाई 2025 ए)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर संसद में हलचल तेज हो गई है। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे जस्टिस वर्मा के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा के कुल 208 सांसदों ने महाभियोग के समर्थन में दस्तखत किए हैं। सोमवार को प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को सौंपा गया।राज्यसभा चेयरमैन धनखड़ ने पुष्टि की कि उन्हें न्यायमूर्ति वर्मा को पद से हटाने का प्रस्ताव मिला है। उन्होंने बताया कि राज्यसभा के महासचिव आगे की प्रक्रिया निर्धारित करेंगे और जल्द ही निर्णय से अवगत कराया जाएगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल, सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची

मुंबई,22 जुलाई 2025 ए)। 2006 के मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा सभी 12 दोषियों को बरी किए जाने के फैसले को महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राज्य सरकार की ओर से दायर याचिका पर मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ गुरुवार,24 जुलाई को सुनवाई करेगी। इस मामले में हाईकोर्ट के निर्णय के बाद मुंबई की जनता, राजनीतिक दलों और जांच एजेंसियों में व्यापक असंतोष देखने को मिला है।

प्रेशर कुकर ब्लास्टः देश को हिला देने वाली साजिश

यह केस प्रेशर कुकर विस्फोट के नाम से जाना जाता है। 11 जुलाई 2006 को मुंबई की उपनगरीय लोकल ट्रेनों में सिलसिलेवार सात धमाके हुए, जिनमें 189 लोग मारे गए और 800 से अधिक घायल हुए। इन धमाकों को बेहद सुनियोजित आतंकी हमला माना गया, जिसमें ट्रेन में रखे प्रेशर कुकर बम का इस्तेमाल किया गया था। यह घटना भारतीय इतिहास के सबसे भीषण आतंकी हमलों में गिनी जाती है।

तलाक की एवज में मांगे 18 करोड़

» मुंबई में घर और एक बीएमडब्ल्यू कार;

» सीजेआई ने महिला से जो कहा वो बना चर्चा का विषय

नई दिल्ली,22 जुलाई 2025 ए)। रिश्ते बनाए रखने में मामले में हम भारतीय टॉप पर है, लेकिन आजकल कई शादियों में कुछ समय बाद ही कपल में खटास पड़ने लगती है और अलग होने के लिए कोर्ट तक पहुंच जाते हैं। कई केस में पति अलग होने के बाद पत्नी को मेंटीनेंस के लिए हर महीने कुछ पैसे भी देता है। सुप्रीम कोर्ट में मेंटीनेंस का एक ऐसा ही मामला पहुंचा है। इसमें महिला द्वारा तलाक की एवज में जो डिमांड की गई उसे सुनकर मुख्य न्यायाधीश भी हैरान रह गए और जानेंगे तो आप भी हैरान रह जाएंगे।देश की सर्वोच्च अदालत ने एक हाईप्रोफाइल तलाक मामले ने आज फैसला सुरक्षित रखा है। सिर्फ 18 महीने की शादी के बाद महिला ने जो मांग रखी, उस पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने तल्ख टिप्पणी की।

मिग-21 फाइटर जेट को हटाएगी वायुसेना

नई दिल्ली,22 जुलाई 2025 ए)। भारतीय वायुसेना इस साल सितंबर तक अपने पुराने हो चुके मिग-21 लड़ाकू विमानों को चरणबद्ध तरीके से हटा देगी। इस विमान का संचालन करने वाली स्क्वाड्रनें वर्तमान में राजस्थान के नाल एयरबेस पर हैं। इन विमानों की जगह स्वदेशी रूप से विकसित हल्के लड़ाकू विमान तेजस मार्क 1 लेंगे। रक्षा अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है।मिग-21 लड़ाकू विमान दशकों से भारतीय वायुसेना की रीढ़ रहे हैं, लेकिन लगातार हादसों और पुराने पड़ जाने के कारण इन्हें सेवा से हटाने का फैसला लिया गया है। मिग-21 को उड़ता ताबूत भी कहा जाने लगा, क्योंकि पिछले कुछ दशकों में इससे जुड़े कई हादसे हुए हैं, जिनमें कई पायलटों की जान गई है।

संपादकीय

आतंकवाद से निपटने विशेषज्ञों का जोर

आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए दक्षिण एशियाई देशों के दरम्यान क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर विशेषज्ञों ने जोर दिया।नेपाल अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सहभागिता संस्थान की तरफ से आयोजित दक्षिण एशिया में आतंकवाद क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिए चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी में यह कहा गया। सीमापार आतंकवादी गतिविधियां रोकने, धनशोधन पर अंकुश लगाने के साथ ही दक्षिण एशिया के आतंकवादी कृत्यों की निंदा की गई। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों के नेपाल को पारगमन के तौर पर प्रयोग करने पर भी चिंता व्यक्त की गई। आतंकवाद केवल एशियाई देशों की विकराल समस्या नहीं है। यह वैश्विक संकट है। ताकतवर देशों से ऐसी नीतियां लागू करने को कहा जा रहा है,जिनके बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठनों से निपटा जा सके। आतंकवादियों के हमले दिनोंदिन घातक होते जा रहे हैं। वे न केवल तकनीकी और अत्याधुनिक प्रशिक्षण देते हैं,बल्कि संगठित रूप से नौजवानों को बरगला कर संगठन में शामिल करते हैं।वैश्विक स्तर पर किए गए अध्ययन मानते हैं कि बीते छह सालों में आतंकवादी घटनाओं में 32 प्रतिशत इजाफा हुआ है। अकेले 2021 के दौरान दुनिया भर में पांच हजार से ज्यादा आतंकी घटनाएं दर्ज की गई जिनमें हजारों मासूम जानें तो जाती ही हैं,दहशत की माहौल भी बढ़ता है। ढेरों परिवार उजड़ जाते हैं। 2018-21 के दरम्यान अकेले भारत में आठ हजार के करीब जान गई। दक्षिण एशियाई देश यूं भी आर्थिक तौर पर समृद्ध नहीं हैं।यहां सीमापार उग्रवाद को रोकना बड़ी चुनौती है। खासकर भारत के लिए पाकिस्तान जैसे मुल्क में चल रहे आतंकी संगठनों से बड़ा खतरा है, जो बड़ी संख्या में आतंकियों को घुसपैठ कराने का जाल मजबूत करता रहता है। भूलना नहीं चाहिए कि आतंकियों को कानूनी भय नहीं दिखाया जा सकता। उसके लिए बगैर किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के सेना व स्थानीय पुलिस को काम करने की आजादी दी जानी जरूरी है। धनशोधन को लेकर भी पर्याप्त सतर्कता जरूरी है।जब तक आतंकियों को मिलने वाली आर्थिक मदद की कड़ी नहीं तोड़ी जाती,उनके हौंसले परास्त करने में दिक्कत आती रहेगी। आतंकवादियों के प्रत्यर्पण को लेकर भी दुनिया भर की सरकार को आपसी सहमति व लचीलेपन का रुख इख्तियार करना होगा।

सावन शिवरात्रि 23 जुलाई पर विशेष

सावन शिवरात्रि : भस्म,डमरू और त्रिनेत्रधारी शिव की अर्चना का पुण्यकाल

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है,जो सकारात्मक ऊर्जा का स्त्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी भक्त इस दिन भगवान शिव अथवा शिवलिंग पर जल अर्पित करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर हो रही है और यह तिथि अगले दिन यानी 24 जुलाई को अर्धरात्रि में 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है।

सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं,वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं।शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

बड़ी जीत है द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी संगठन घोषित होना

ललित गर्ग
पटपड़गंज,न्यू दिल्ली-92

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है।

टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी

रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को 'स्वदेशी विद्रोह' की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह 'पर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को मुख्यधारा में लाने' के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है,ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफ़ान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को 'कश्मीरी प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता। अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं,बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है,तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है?

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवतः भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमरीका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमरीका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। उसे सीमा पार सर्जिकल/ड्रोन स्ट्राइक की नीति को और मजबूत करना चाहिए। आतंकी समर्थकों की फंडिंग रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों की मांग करनी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन,और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए।

आज आवश्यकता है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक और शांति-प्रिय राष्ट्र एक मंच पर एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाएं। किसी भी राष्ट्र को- चाहे वह प्रत्यक्ष हो या परोक्ष, आतंकियों की शरणस्थली बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना पहला कदम है, अब इसकी जड़ों को नष्ट करना ही अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। पाकिस्तान सरकार,सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। सवाल यह भी है कि जब पाकिस्तान आतंकी संगठनों का खुलेआम समर्थन करता रहता है तो उसे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में डालने से परहेज क्यों किया जा रहा है? विशेषज्ञों का कहना है कि अमरीका के ताजा कदम के बाद एफएटीएफ और दूसरी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां टीआरएफ की फंडिंग की जांच करेंगी। पहलगाम का हमला एक बार फिर हमें चेतावनी देता है कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का संकट नहीं, बल्कि सभ्यता, शांति और मानवता का अपमान है। हमें अब शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प और कार्यवाही की ओर बढ़ना होगा। भारत को अब केवल प्रतिकार नहीं, बल्कि निर्णायक प्रहार की नीति अपनानी चाहिए ताकि अगली पीढ़ी एक ऐसे भारत में सांस ले सके जहां 'कश्मीर' केवल खूबसूरती का पर्याय हो, आतंक का नहीं। भारत को वैश्विक मंचों पर टीआरएफ को बेनकाब करने की मुहिम जारी रखनी चाहिए, ताकि इस संगठन को फिर फन उठाने का मौका न मिले।

भारत एनसीएक्स 2025:डिजिटल भारत की सुरक्षा के लिए निर्णायक अभ्यास शुरू,साइबर मोर्चे को मिलेगा नया कवच

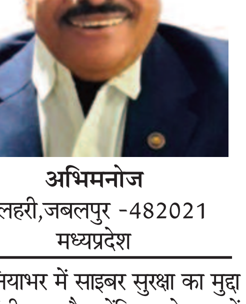

अभिमनोज
तिलहरी,जबलपुर -482021
मध्यप्रदेश

दुनियाभर में साइबर सुरक्षा का मुद्दा बेहद गंभीर मुद्दा है,क्योंकि हर रोज इसमें नए-नए बदलाव आते हैं, नई-नई चुनौतियां आती हैं, लिहाजा इस पर लगातार काम करने की जरूरत रहती है। देश में साइबर सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) द्वारा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के सहयोग से राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अभ्यासः भारत एनसीएक्स 2025 का आयोजन किया गया, जिसका मकसद देश की साइबर सुरक्षा स्थिति को सशक्त बनाने के लिए कदम उठाना है.

उल्लेखनीय है कि.भारत एनसीएक्स 2025 देशभर के साइबर सुरक्षा पेशेवरों, नीति निर्माताओं, सुरक्षाकर्मियों सहित उद्योग जगत के दिग्गजों को दो सप्ताह का अनुभव प्रदान करने का काम करेगा, जिससे दुनियाभर के साइबर हमलों से निपटने में सक्षम हो सके। यह अभ्यास साइबर सुरक्षा और घटना प्रतिक्रिया पर केंद्रित एक विस्तृत शिक्षण वातावरण प्रदान करता है, जिसमें लाइव-फायर सिमुलेशन शामिल हैं, जो आईटी और ओटी (परिचालन प्रौद्योगिकी) दोनों प्रणालियों पर वास्तविक दुनिया के हमलों को दर्शाते हैं, यह प्रतिभागियों को इस बारे में व्यावहारिक दृष्टिकोण भी देता है कि- कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साइबर सुरक्षा परिदृश्य को नया रूप दे रहा है, यही नहीं, यह नए-नए खतरों से निपटने के लिए सरकारी निकायों,सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों और उद्योग के हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा भी देता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार.राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अभ्यास-भारत एनसीएक्स 2025 का आधिकारिक उद्घाटन उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार टीवी रविचंद्रन ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) बिमल एन. पटेल की उपस्थिति में किया। यह अभ्यास भारत की साइबर सुरक्षा स्थिति में एक बड़ा कदम है,जिसका प्रमुख उद्देश्य है-भारतीय साइबरस्पेस की परिचालन तैयारियों को बढ़ाना।इस मौके पर उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार टीवी रविचंद्रन का कहना था कि- शासन और स्वास्थ्य सेवा से लेकर ऊर्जा,परिवहन और रक्षा तक,सभी क्षेत्रों में हमारे डिजिटल बुनियादी ढांचे की साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था,नागरिक विश्वास और सार्वजनिक सुरक्षा का आधार है.

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) बिमल एन. पटेल ने का कहना था कि-पिछले दो दशकों में साइबर और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की क्षमताएं साइबर सुरक्षा के लिए सशक्त बनकर उभरी हैं और डिजिटल स्पेस शासन कला,प्रतिस्पर्धा और संघर्ष के एक नए क्षेत्र के रूप में विकसित हुआ है,जिसमें राष्ट्र-राज्य और राज्य-प्रायोजित संस्थाएं शामिल हैं। यह आयोजन 21 जुलाई से 1 अगस्त, 2025 तक चलेगा, जिसका समापन एक

संयुक्त डीब्रीफिंग सत्र में होगा, जिसमें प्रमुख सबक समेकित किए जाएँगे, परिचालन और नीति-स्तरीय निष्कर्षों का मूल्यांकन किया जाएगा और राष्ट्रीय साइबर लचीलेपन के लिए दूरदर्शी रणनीतियाँ स्थापित की जाएंगी।

वैश्विक संदर्भ और भारत की भागीदारी

एनसीएक्स 2025 को अब तक का सबसे बड़ा और जमीनी साइबर सुरक्षा अभ्यास माना जा रहा है। इसमें न केवल सरकारी एजेंसियाँ, बल्कि निजी कंपनियाँ, स्टार्टअप्स और शिक्षण संस्थान भी भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य एक ऐसा बहुस्तरीय और सहयोगात्मक तंत्र विकसित करना है, जहाँ तकनीकी विशेषज्ञता और नीतिगत स्पष्टता दोनों का संतुलन बना रहे। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक साइबर हमलों की बढ़ती घटनाएँ इस अभ्यास की प्रासंगिकता को और भी बढ़ा देती हैं। अमेरिका की कोलोनियल पाइपलाइन पर हुआ साइबर हमला हो या यूक्रेन की बिजली व्यवस्था को ठप करने वाला साइबर हमला–दुनिया यह जान चुकी है कि आधुनिक युद्ध केवल सीमा पर नहीं, डेटा पर भी लड़े जा रहे हैं। भारत में भी मुंबई की बिजली ग्रिड पर हुए साइबर हमले जैसे उदाहरण इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करते हैं।

भारत को इससे क्या लाभ मिलेगा?

यह अभ्यास भारत को तीन प्रमुख स्तरों पर लाभ पहुंचाएगा...

* तकनीकी स्तर पर, साइबर हमलों की त्वरित पहचान और प्रतिक्रिया के लिए जरूरी कौशल विकसित होंगे।
* सार्वजनिक-निजी समन्वय के तहत, सरकारी और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग का एक प्रभावी मॉडल बनेगा।
* नीतिगत लाभ के रूप में, भारत की साइबर नीति और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर कूटनीति को मज़बूती मिलेगी।

सबसे महत्वपूर्ण यह कि नागरिकों के लिए डिजिटल सेवाओं–जैसे बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यापार–में विश्वास और निर्भीकता बढ़ेगी,जो डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में सहायक होगा।

जन-जागरूकता और नागरिक सहभागिता

आज जब हर नागरिक स्मार्टफोन और इंटरनेट का उपयोग कर रहा है, तो साइबर सुरक्षा केवल विशेषज्ञों तक सीमित विषय नहीं रह गया। नागरिकों का डेटा–बैंक खाते, मेडिकल रिकॉर्ड,संवाद–अब राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलुओं में गिना जा रहा है। भारत एन सीएक्स 2025 इसी जागरूकता को आकार देने वाला एक राष्ट्रीय मंच है, जो आम नागरिक को यह एहसास कराता है कि उनकी डिजिटल सतर्कता भी राष्ट्र की सुरक्षा का हिस्सा है।

भारत एनसीएक्स 2025 केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि डिजिटल युग में भारत की संप्रभुता और सामर्थ्य की घोषणा है। यह एक ऐसी साइबर ढाल की नींव है, जो आने वाले समय में भारत को वैश्विक साइबर शक्ति बनने की ओर अग्रसर करेगी।

कविता
महादेवा...

घटती-घटना

प्रीतम कुमार साहू
लिमतरा,धमतरी
छत्तीसगढ़

काल के महाकाल कहावय,शिव शंकर महादेवा
भक्तनमन के भाग जागे जेन करे तोर सेवा !
अंग म राख,भभूत चुपरे बईला म करें सवारी
भूत,प्रेत अउ मरी मसान जम्मों तोर संगवारी।
दानी नइ हे तोर असन कस हे सम्भू त्रिपुरारी
कतका तोर जस ल गावँव महिमा हे बड़भारी!
गंगा हर तोर जटा म साधे,कहाय तै जटाधारी
बघुवा के तै खाल पहिरे जय हो डमरूधारी !!
गणेश,कार्तिक तोर लाल कहावय पार्वती सुवारी
तोर पउँरी म माथ नवावँय जम्मो नर,नारी !!
असुर मन कतकोंन छलिस तोला सिधवा जान
हलाहल के पान करइय्या नीलकंठ भगवान !!

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी और चक्काजाम
अदानी के खिलाफ विरोध जताया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर बनारस रोड स्थित बीटीआई के पास दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक सांकेतिक चक्काजाम किया। इस चक्काजाम का उद्देश्य प्रदेश की आर्थिक नाकेबंदी और अदानी के खिलाफ विरोध जताना था। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा अदानी भगाओ, छत्तीसगढ़ बचाओ का नारा दिया गया था, और इसका मुख्य कारण रायगढ़ जिले के तमनार क्षेत्र में अदानी द्वारा वन क्षेत्र की अवैध कटाई को बताया गया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और विधानसभा में इसे उठाने का निर्णय लिया। लेकिन जैसे ही बघेल विधानसभा में इस मुद्दे को उठाने वाले थे, उसी दिन केंद्रीय एजेंसी ईडी ने उनके घर पर छापेमारी की और उनके पुत्र चैतन्य बघेल को गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार अदानी के व्यावसायिक हितों की रक्षा करने के लिए विपक्षी नेताओं और उनके परिवारों को निशाना बना रही है। इस दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि भाजपा यह भ्रम फैला रही है कि यह चक्काजाम किसी एक व्यक्ति के खिलाफ किया गया है,जबकि यह पूरी छत्तीसगढ़ की अस्मिता और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए था। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार की आलोचना की है कि वह राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ ईडी का इस्तेमाल कर रही है, जो संविधान और नागरिक अधिकारों के खिलाफ है। पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में खनिज संसाधनों की लूट हो रही है और हरे-भरे जंगलों को काटा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अदानी कंपनी छत्तीसगढ़ की राजनीति में कब्जा जमाने के लिए माइनिंग के जरिये सत्ता में हस्तक्षेप कर रही है। कांग्रेस का मानना है कि जो भी इसके खिलाफ आवाज उठाता है, उसके परिवार को केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से प्रताड़ित किया जाता है। चक्काजाम के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने पुलिस प्रशासन का धन्यवाद किया और कहा कि चक्काजाम के आयोजन में उनका सहयोग महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि यह सांकेतिक चक्काजाम था, और हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे थे कि आम नागरिकों को इससे कोई असुविधा न हो। पाठक ने यह भी स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ के अस्मिता की रक्षा के लिए हमें अदानी के खिलाफ खड़ा होना पड़ेगा, क्योंकि वह राज्य के मूल निवासियों को उनके क्षेत्र से बेदखल करने की कोशिश कर रहा है और राज्य के संसाधनों पर कब्जा जमा रहा है। अजय अग्रवाल,जेपी श्रीवास्तव,डॉ. अजय तिर्की,शफी अहमद, द्वितेन्द्र मिश्रा जैसे कई कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस आंदोलन में शामिल थे। इन सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मिलकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया और कांग्रेस के संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

चक्काजाम का स्थल और वाहनों का आवागमन

जिला कांग्रेस कमेटी ने चक्काजाम के लिए बनारस रोड का चयन किया,जो छत्तीसगढ़ को उत्तर भारत से जोड़ता है। इस मार्ग पर बड़ी संख्या में मालवाहक वाहन आते-जाते हैं, और कांग्रेस ने इन्हें ही अपना लक्ष्य बनाते हुए चक्काजाम स्थल चुना। हालांकि, चक्काजाम के दौरान एम्बुलेंस और स्कूल वाहनों को जाने की छूट दी गई, और 3 एम्बुलेंस तथा 1 स्कूली वैन को मार्ग दिया गया। चक्काजाम की स्थिति में भी आसपास के वैकल्पिक मार्गों की उपलब्धता के कारण आम नागरिकों को कोई खास असुविधा नहीं हुई। जिला कांग्रेस कमेटी ने इस आंदोलन को शांतिपूर्वक और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित किया, ताकि नागरिकों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। चक्काजाम का उद्देश्य केवल सरकार और अदानी के खिलाफ एक संदेश देना था, और कांग्रेस ने यह सुनिश्चित किया कि आम जनता पर इसका असर न पड़े।

कांग्रेस का दृष्टिकोण और भविष्य के कदम

कांग्रेस नेताओं ने इस आंदोलन को एक सशक्त लोकतांत्रिक संघर्ष के रूप में देखा और कहा कि अगर यही स्थिति बनी रही तो वे सांकेतिक आर्थिक नाकेबंदी से आगे बढ़कर बड़े विरोध प्रदर्शनों की योजना बनाएंगे। कांग्रेस का यह भी कहना है कि विपक्ष में होने के बावजूद वे हमेशा नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए खड़े रहेंगे, और जहां भी लोकतांत्रिक तरीके से विरोध की आवश्यकता होगी,वहां वे कदम उठाएंगे। अंत में कांग्रेस ने यह संदेश दिया कि छत्तीसगढ़ के संसाधनों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा और वे अदानी की व्यापारिक नीति के खिलाफ संघर्ष को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे।

लुण्ड्रा क्षेत्र के तीन विद्यालयों में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

विधायक श्री प्रबोध मिंज ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को किया सम्मानित,छात्रा प्रीति गुप्ता को मिला 25 हजार रुपए का पुरस्कार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र के प्रभात उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रघुनाथपुर,शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लुण्ड्रा एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय करेसर में शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लूण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज शामिल हुए,कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया गया।

खंड शिक्षा अधिकारी श्री मनोज कुमार वर्मा एवं विद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा विधायक महोदय का पुष्पगुच्छ व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अतिथियों का मन मोह लिया।

विधायक श्री मिंज ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक कर मिठाई खिलाई तथा पाठ्यपुस्तकें, गणवेश व शिक्षण सामग्री वितरित की। साथ ही उन्होंने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान रघुनाथपुर विद्यालय के प्राचार्य श्री अनूप देव वेग ने विद्यालय में सौर लाइट,साइकिल स्टैंड, सांस्कृतिक मंच एवं जल व्यवस्था हेतु सोलर प्लेट की मांग रखी,वहीं कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लुण्ड्रा की प्राचार्या सुश्री ए.के. किंडो ने स्टाफ कक्ष, छात्राओं के लिए कॉमन रूम,आईटी विषय के शिक्षक तथा अतिरिक्त शौचालय की मांग प्रस्तुत की। विधायक महोदय ने सभी मांगों को सहर्ष स्वीकार करते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर कक्षा 12 वीं की छात्रा कु. प्रीति गुप्ता को विकासखंड स्तर पर 93.5 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 25,000 रू. का नगद पुरस्कार विधायक श्री मिंज द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पावले, उपाध्यक्ष श्रीमती कंचन जायसवाल,सतीश जायसवाल व श्री संजय गुप्ता,श्री वैभव सिंह देव एवं श्री महेन्द्र सिंह, विधायक प्रतिनिधि श्री जयंत मिंज,श्री उमाशंकर उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, जनपद सदस्य, स्थानीय जनसमुदाय,शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं उपस्थित रहे।

दोपहिया वाहन चोरी के मामले में 5 नाबालिग और 1 युवक गिरफ्तार,5 बाइक बरामद

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर शहर में अलग-अलग स्थानों से हुई दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए पुलिस ने 5 नाबालिगों सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 5 चोरी की बाइक जब्त की गई हैं। आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया है, जबकि नाबालिगों को बाल संप्रेक्षण गृह में भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, 10 जुलाई को मोमिनपुरा निवासी मोहम्मद मेराजुद्दीन की बाइक उनके घर के आंगन से चोरी हो गई थी। मेराजुद्दीन ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पुलिस को एक नाबालिग द्वारा बाइक चलाए जाने की सूचना मिली। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने अपने दो अन्य नाबालिग साथियों के साथ मिलकर चोरी की बात कबूल की। तीनों नाबालिगों के पास से चोरी की बाइक बरामद की गई। दूसरी घटना में, कमलेश्वरपुर निवासी जयप्रकाश सोनवानी ने 21 जुलाई को गांधीनगर थाने में अपनी बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले की जांच में पुलिस ने 18 वर्षीय सूर्यकांत राजवाड़े, निवासी भुनेश्वरपुर (जिला सूरजपुर) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सूर्यकांत ने बताया कि उसने अपने दो नाबालिग साथियों के साथ मिलकर शहर और आसपास के इलाकों से कई बाइकें चोरी की हैं। आरोपियों के पास से कुल 4 बाइक बरामद की गई हैं, जिन्हें सूरजपुर, मेडिकल कॉलेज अस्पताल समेत अन्य स्थानों से चुराया गया था। पुलिस ने बताया कि सभी बाइक जब्त कर ली गई हैं और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

कृषकों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने उर्वरक विक्रय केंद्रों का किया गया औचक निरीक्षण

अनियमितता पाए जाने पर दुकानदारों को नोटिस जारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

वर्तमान खरीफ मौसम में जिले के कृषकों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन में जिले के उर्वरक विक्रय केंद्रों का लगातार निरीक्षण जारी है। इसी क्रम में 19 एवं 20 जुलाई 2025 को विशेष अभियान चलाकर जिले के समस्त उर्वरक निरीक्षकों द्वारा विभिन्न सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कुल 51 उर्वरक विक्रय केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। जिसमें 46 निजी उर्वरक विक्रय केन्द्र तथा 05 आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. सम्मिलित हैं। उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों के विपरीत उर्वरक का व्यापार करने के कारण 09 विक्रय केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया एवं आवश्यक सुधार किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त कार्यवाही उर्वरक निरीक्षक श्री जे.आलम,श्रीमती श्वेता पटेल,श्री विनायक पाण्डेय,श्रीमती हरित सिंह,श्री अजय कुमार बड़ा, श्रीमती बिबियाना बेक,श्री संतोष बेक,श्री शैलेन्द्र विश्वकर्मा एवं पवनसाय भगत द्वारा की गई।

यातायात द्वारा फर्राटा मारने वाले वाहन चालको पर की चलानी कार्यवाही, समंस शुल्क काटकर असूले 15000/रूपये

-संवाददाता-
बलरामपुर,22 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

जानकारी के अनुसार पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज सरगुजा द्वारा जिले में यातायात व्यवस्था,सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। जिसके परिपालन में पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री वैभव बैंकर(भा पु से) के मार्गदर्शन व अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी (रा पु से)के मार्गदर्शन में जिला बलरामपुर में लगातार अभियान चलाकर शराब सेवन कर वाहन चलने वाले चालकों पर,बिना सीट बेल्ट,बिना हेलमेट, ट्रिपल सवारी,खतरनाक तरीके से वाहन चलाने, मॉडिफाई साइलेंसर का उपयोग करने वाले वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 21/07/2025 को यातायात पुलिस बलरामपुर द्वारा तीन मॉडिफाई साइलेंसर लगे दो पहिया वाहन क्रमांक CG15 DX 1357 चालक पवन राज पिता शिव नारायण उम्र 19 वर्ष साकिन चांदो थाना चांदो CG 15 CF 1537 चालक करण दास पिता जग साई उम्र 19 वर्ष साकिन पस्ता जिला बलरामपुर,CG15 EA 8016 चालक दिनेश यादव पिता बने यादव उम्र 22 वर्ष साकिन महकेपी थाना बलरामपुर पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 182 (A4) के तहत कार्रवाई करते हुए 5000- 5000 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई है तथा मौके पर उक्त वाहनों से मोडिफाइड साइलेंसर निकलवा कर कंपनी द्वारा निर्धारित साइलेंसर लगवाया गया साथ ही भविष्य के लिए चालकों को समझाइश दी गई। जिला बलरामपुर पुलिस के द्वारा लगातार जिले में जन जागरूकता अभियान चलाकर आम जनों से यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया जा रहा है।

बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस का घेराव
राज्यपाल के नाम सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा 18 माह में चौथी बार की गई विद्युत दरों की वृद्धि के विरोध में आज अंबिकापुर में जिला कांग्रेस कमेटी ने पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव के नेतृत्व में कार्यपालन अभियंता, सीएसपीडीसीएल के कार्यालय (नमनाकला) का घेराव कर राज्यपाल के नाम 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर सरगुजा जिले की सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने अब तक घरेलू बिजली दरों में प्रति यूनिट कुल 80 पैसे की बढ़ोतरी की है। हालिया बढ़ोतरी में घरेलू उपभोक्ताओं पर 20 पैसे, गैर-घरेलू पर 25 पैसे,और किसानों के कृषि पंपों पर 50 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है। कांग्रेस ने इसे जनविरोधी फैसला बताते हुए बिजली न्याय के नाम से प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि भाजपा दावा कर रही है कि यह मामूली वृद्धि है, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। रमन सिंह के 15 वर्षों के कार्यकाल में बिजली दरों में 94 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं 18 माह की वर्तमान सरकार में यह वृद्धि 13 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उन्होंने गरीब और अमीर उपभोक्ताओं पर समान रूप से दरें बढ़ाने को सामाजिक न्याय के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश विद्युत उत्पादन में सरप्लस है,तब दरों में बढ़ोतरी करना अनुचित और जनविरोधी है।

विद्युत अधिकारियों से चर्चा, सुधार के मिले आश्वासन : टी.एस. सिंहदेव और प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण यंत्री आर.के. मिश्रा,कार्यपालन अभियंता एस.पी. कुमार (शहर) और नागवंशी (ग्रामीण) से चर्चा की। सिंहदेव ने विद्युत विभाग की मेंटेनेंस नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार कटौती के बावजूद सुधार नहीं हो रहा। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि ट्रांसफॉर्मर फेल होने पर शहरी क्षेत्र में 24 घंटे और ग्रामीण क्षेत्र में 3 दिनों में बदल दिया जाएगा। इसके साथ ही बताया गया कि कांग्रेस शासनकाल में स्वीकृत विद्युत सबस्टेशनों का निर्माण मानसून के बाद शुरू किया जाएगा। वहीं, फ्यूज कॉल सेंटर की व्यवस्था को भी जल्द दुरुस्त करने और सुरेश सोनी के परिजनों को मुआवजा देने का भरोसा दिलाया गया। इस दौरान अमरजीत भगत,बालकृष्ण पाठक,अजय अग्रवाल, जे.पी. श्रीवास्तव,शफी अहमद,द्वितेन्द्र मिश्रा, गुरुप्रीत बाबरा, हेमंत सिन्हा,मो. इस्लाम, दुर्गेश गुप्ता और मदन जायसवाल सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

ज्ञापन की मुख्य मांगें...

- बिजली दरों में हुई वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाए।
- पूरे प्रदेश में ध्वस्त विद्युत व्यवस्था को सुधारने हेतु युद्धस्तर पर अभियान चलाया जाए।
- स्मार्ट मीटर योजना को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए।
- अम्बिकापुर सहित सरगुजा जिले में कांग्रेस शासनकाल में स्वीकृत विद्युत परियोजनाओं पर काम तुरंत शुरू किया जाए।
- लटके हुए बिजली तारों के कारण मारे गए सुरेश सोनी के परिजनों को 1 करोड़ मुआवजा दिया जाए।
- दोषी विद्युत अधिकारियों पर मुकदमा चलाया जाए।
- विद्युत कटौती और फाल्टी ट्रांसफॉर्मर की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।

गजरथ ने 29 स्कूलों में पहुंचकर 4 हजार से अधिक विद्यार्थियों को हाथी की गतिविधियों की दी जानकारी

-संवाददाता-
जशपुरनगर,22 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

जशपुर वन मंडल के गजरथ ने अब तक फरसाबहार विकासखंड क्षेत्र के 29 स्कूलों में पहुंचकर लगभग 4059 छात्र-छात्राओं को हाथी के व्यवहार एवं गतिविधियों की जानकारी दी है। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार गजरथ यात्रा निरंतर जारी है, विगत दिवस 21 जुलाई को गज रथ फरसाबहार विकासखंड के स्कूलों में पहुंचकर कक्षा 6वीं से 12वीं के छात्रों को जागरूक किया है। विदित हो कि 21 जून 2025 को जशपुर वन मंडल के गज रथ यात्रा 2025 का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा किया गया है। गज रथ यात्रा हाथी प्रभावित अति संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर दौरा कर हाथी के व्यवहार एवं गतिविधि के संबंध में विशेष रूप से हाथी प्रभावित क्षेत्रों के स्कूलों में कक्षा 6वीं से 12वीं के छात्र-छात्राओं को जानकारी देकर जागरूक करने का लक्ष्य रखा गया है।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में चोरी,जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उदयपुर में एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान में चोरी की घटना सामने आई है। दुकान संचालक ठाकुर प्रसाद यादव ने थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि वह गीता वाच नामक इलेक्ट्रॉनिक दुकान का संचालन करता है। 20 जुलाई की रात करीब 10 बजे रोज की तरह दुकान बंद कर वह घर चला गया था।

अगले दिन 21 जुलाई को सुबह 8 बजे जब दुकान खोली, तो भीतर का सामान बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर पता चला कि दुकान से मोबाइल बैटरी, मेमोरी कार्ड, टॉर्च, ब्लूटूथ हेडफोन, एयरबर्ड, स्मार्ट वॉच, चार्जर, डाटा केबल, मोबाइल कवर और कलाई घड़ियों समेत कुल 20 हजार रुपये मूल्य का सामान और 500 रुपये नकद चोरी हो गया है। दुकान संचालक ने अज्ञात चोर के खिलाफ उदयपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मजदूरीकर वापस लौट रही महिला को सांप ने डसा,मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम पंडरापाठ में 19 जुलाई को मजदूरी कर पति के साथ घर आ रही महिला को सांप ने डंस लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए बगीचा अस्पताल से रेफर करने पर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी क अनुसार सांझो बाई पति राजेश कोरवा उम्र 60 वर्ष बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम तत्लगवा पंडरापाठ की रहने वाली है। 19 जुलाई की शाम को पति के साथ मजदूरी कर घर वापस लौट रही थी। तभी रास्ते में उसे सांप ने डस लिया था। उसे इलाज के लिए बगीचा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां स्थिति को गंभीर देखते हुए परिजन उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान 21 जुलाई की दोपहर उसकी मौत हो गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल वृद्धि की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम बगडोल में 21 जुलाई को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक वृद्ध गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराए थे। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार खोरा उम्र 70 वर्ष बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम बगडोल का रहने वाला था। वह 21 जुलाई की सुबह घर से बाहर मवेशी को बांधने जा रहा था। तभी मुख्य सडक़ पर अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। सिर में गंभीर चोट लगने पर परिजन उसे इलाज के लिए बगीचा अस्पताल में भर्ती कराए थे। यहां उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

CMYK

गिलगित-बाल्टिस्तान में बादल फटने से मची तबाही

चार पर्यटकों की मौत,15 लापता

इस्लामाबाद,22 जुलाई 2025। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में कुदरत का कहर देखने को मिला। जहां सोमवार को बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में अब तक कम से कम चार पर्यटकों की मौत हो गई। दो घयल हो गए। वहीं 15 लोग लापता हो गए हैं। घटना दीमर जिले में हुई, जहां बाढ़ के तेज बहाव में आठ पर्यटक वाहन बह गए। मामले में गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फरक ने बताया कि मृतकों में एक महिला पंजाब प्रांत के लोधरन की रहने वाली थी।

राहत और बचाव कार्य में जुटा प्रशासन

घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इसका असर यातायात पर पड़ा। बाढ़ के कारण बाबूसर हाईवे बंद हो गया और इलाके में बिजली और संचार सेवाएं बाधित हो गई हैं। सैकड़ों फंसे पर्यटकों को स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित निकाला गया, और उन्हें अस्थायी ठिकानों पर शरण दी गई। बता दें कि अचानक से आई से इस बाढ़ के चलते खेत, बाग-बगीचे, घर और जरूरी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है, लेकिन हालात अब भी बेहद गंभीर बने हुए हैं।

सात किलोमीटर तक फैला बाढ़ का रास्ता

दीमर के पुलिस अधीक्षक अब्दुल हमीद ने बताया कि बाढ़ ने करीब सात किलोमीटर तक का इलाका तबाह कर दिया। कई वाहन बह गए और आशंका है कि 20 से 30 लोग लापता हो सकते हैं। राहत कार्य जारी है लेकिन लगातार मलबा गिरने से बचाव कार्य में मुश्किलें आ रही हैं। दीमर के अलावा घाइजर जिले में भी बाढ़ ने घरों, खेतों और सड़कों को नुकसान पहुंचाया। स्कार्दू में बाढ़ की आशंका के चलते गाम्बा रेस्क्यू स्टेशन को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बरगी और सादपारा नालों में पानी घरों में घुस गया है, जिससे कई संपत्तियां और सड़कें बर्बाद हो गईं।

कराकोरम हाईवे का हिस्सा क्षतिग्रस्त, हजारों लोग फंसे : वहीं गोजल के पास पासु क्षेत्र में कराकोरम हाईवे का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे हजारों लोग फंस गए हैं। यह मार्ग पाकिस्तान को चीन से जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है। गिलगित-बाल्टिस्तान पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के निदेशक खदीम हुसैन ने बताया कि क्षेत्र में पिछले छह हफ्तों से रिकॉर्ड गर्मी और उमस बनी हुई है, जिससे बादल फटने और बाढ़ की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

मस्क को गोल्डन डोम प्रोजेक्ट से हटा सकते हैं ट्रम्प

स्पेसएक्स का विकल्प ढूंढ रही अमेरिकी सरकार

वॉशिंगटन डीसी,22 जुलाई 2025। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, अरबपति इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को गोल्डन डोम प्रोजेक्ट से हटा सकते हैं। यह एक मिसाइल डिफेंस सिस्टम है, जिसका मकसद अमेरिका को विदेशी हवाई हमलों से बचाना है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक 175 अरब डॉलर के इस अहम प्रोजेक्ट के लिए ट्रम्प प्रशासन ने नए विकल्पों को तलाशना शुरू कर दिया है। स्पेसएक्स की जगह इस बार जेफ बेजोस की कंपनी अमेजन के प्रोजेक्ट कुइपर को मौका मिल सकता है। इसके अलावा कई दूसरी बड़ी डिफेंस कंपनियां भी रेस में हैं। ट्रम्प और मस्क के बीच पिछले दो महीनों से जारी विवाद को इस बदलाव के पीछे की वजह माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक स्पेसएक्स ने भी इस परियोजना में रुचि नहीं दिखाई है।

क्या है गोल्डन डोम मिसाइल डोम प्रोजेक्ट : अमेरिका ने इजराइल के आयरन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तर्ज पर अपना डिफेंस सिस्टम गोल्डन डोम बनाने का फैसला किया है। ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के एक हफ्ते बाद ही गोल्डन डोम प्रोजेक्ट का ऐलान किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गोल्डन मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए 1200 से ज्यादा सैटेलाइट्स लॉन्च करने की योजना बनाई गई है। इसकी मदद से अमेरिका दुश्मन मिसाइलों का अंतरिक्ष में ही पता लगाकर उन्हें नष्ट करने की तैयारी कर रहा है। इनमें 400 से 1000 सैटेलाइट्स दुश्मन मिसाइलों की पहचान और ट्रैकिंग के लिए तैनात किए जाएंगे। वहीं, लगभग 200 इंटरसेप्टर सैटेलाइट्स उन मिसाइलों को अंतरिक्ष से ही मार गिराने के लिए तैयार की जाएंगी। यह डिफेंस सिस्टम दुनिया के किसी भी हिस्से से लॉन्च होने वाली मिसाइलों को रोकने में सक्षम होगा। ट्रम्प ने दावा किया है कि गोल्डन डोम अंतरिक्ष से हुए हमलों को भी रोकने के काबिल होगा।

प्रोजेक्ट को लॉन्च करने के लिए काम शुरू : गोल्डन डोम प्रोजेक्ट पर करीब 175 बिलियन डॉलर, यानी 14.52 लाख करोड़ रुपए का खर्च आएगा। ट्रम्प ने शुरुआत में 25 बिलियन डॉलर (लगभग 2.05 लाख करोड़ रुपये) खर्च करने की मंजूरी दे दी है। 17 जुलाई को सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद स्पेस फोर्स के जनरल माइकल गुएटलीन को इस प्रोजेक्ट की कमान सौंप दी गई है।

बलूचिस्तान में ऑनर किलिंग के 13 आरोपी गिरफ्तार

कबीले की मर्जी के खिलाफ पुरुष से रिश्ता था,महिला को सुनसान जगह ले जाकर गोली मारी

इस्लामाबाद,22 जुलाई 2025। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक महिला और पुरुष की बेरहमी से हत्या किए जाने का वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। यह वारदात मई में बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के पास एक सुनसान इलाके में हुई थी। अब जब यह वीडियो सामने आया है, तो पूरे देश में आक्रोश फैल गया है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक ट्राइबल (कबीलाई) नेता भी शामिल है। यह हत्या ऑनर किलिंग यानी इज्जत के नाम पर की गई। स्थानीय जिरगा (कबीलाई पंचायत) ने फैसला सुनाया था कि महिला ने अपने परिवार और कबीले की मर्जी के खिलाफ एक पुरुष से संबंध रखकर परंपराओं का उल्लंघन किया है। इसी आधार पर उसे मौत की सजा दी गई।

नजदीक से महिला को गोली मारी : वायरल वीडियो में दिखता है कि एक एसयूवी और एक पिकअप ट्रक में सवार हथियारबंद लोग एक सुनसान इलाके में पहुंचते हैं। वहां वे महिला और पुरुष को गाड़ी से बाहर निकालते हैं। महिला को कुरान की एक प्रति दी जाती है। फिर वह स्थानीय ब्राहवी भाषा में एक व्यक्ति से कहती है आओ, मेरे साथ सात कदम चलो, फिर तुम मुझे गोली मार सकते हो। कुछ कदम चलने के बाद वह कहती है, तुम्हें बस मुझे गोली मारने की अनुमति है,इससे ज्यादा कुछ नहीं। इसके बाद उस व्यक्ति ने पास से पिस्तौल तानकर महिला को गोलियां मार दीं। तीसरी गोली लगने के बाद महिला जमीन पर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद उसी जगह पुरुष को भी गोली मार दी जाती है। वीडियो में यह भी साफ दिखता है कि कुछ लोग दोनों शवों पर भी लगातार गोलियां चला रहे हैं। पुलिस का कहना है कि यह हत्याकांड एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था और इसे परंपरा के नाम पर अंजाम दिया गया। अब तक की जांच में मृतकों की पहचान बानो बीबी और अहसान उल्लाह के रूप में हुई है। पुलिस और सरकार दोनों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने सोमवार को इस घटना की पुष्टि की है।

शांति वार्ता से पहले रूस ने यूक्रेन पर किया ड्रोन हमला,एक बच्चे की मौत,24 लोग घायल

कीव,22 जुलाई 2025। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच शांति वार्ता पहले एक बार फिर मॉस्को ने तीन यूक्रेनी शहरों पर ड्रोन हमला किया। इस हमले में एक बच्चे की मौत हो गई। जबकि 24 लोग घायल हो गए। हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के साथ शांति वार्ता होगी। मगर इस वार्ता में युद्ध को समाप्त करने को लेकर कोई प्रगति होने की उम्मीद कम है।

यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम को रूस ने उत्तर-पूर्व में सुमी, दक्षिण में ओडेसा और पूर्वी क्रामाटोरस्क के यूक्रेनी क्षेत्रों पर हमला किया। शहर के सैन्य प्रशासन प्रमुख ओलेक्सांद्र होन्चारेंको ने बताया कि क्रामाटोर्स्क में एक ग्लाइड बम एक अपार्टमेंट इमारत पर गिरा। इससे आग लग गई। हमले में एक लड़के की मौत हो गई। जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन ने बताया कि सूमी क्षेत्र में कई हमले हुए। पुतिवल शहर में एक ड्रोन ने एक गैस स्टेशन पर हमला किया, जिसमें एक पांच साल के बच्चे समेत चार लोग घायल हो गए। दो घंटे से भी कम समय बाद उसी जगह पर एक और ड्रोन हमला हुआ। इसमें सात और लोग घायल हो गए। अंधेरा होने के बाद सुमी शहर पर दो और शक्तिशाली रूसी ग्लाइड बम गिराए गए। इसमें एक छह साल के बच्चे समेत 13 लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय अधिकारियों ने कहा कि हमले में पांच अपार्टमेंट इमारतें, दो निजी घर और एक शॉपिंग मॉल क्षतिग्रस्त हो गए। कार्यवाहक मेयर आर्टेम कोबज़ार ने कहा कि विस्फोटों से आवासीय भवनों की खिड़कियां टूट गईं और बालकनी नष्ट हो गईं। मंगलवार को रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायु रक्षा प्रणाली ने रात भर में कई क्षेत्रों में 35 यूक्रेनी लंबी दूरी के ड्रोनों को मार गिराया, जिनमें से तीन मॉस्को क्षेत्र में थे।

रूस-यूक्रेन के बीच होनी है शांति वार्ता

रूस-यूक्रेन के बीच तीन साल से युद्ध चल रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिए दोनों देश तीसरी बार शांति वार्ता करने की तैयारी कर रहे हैं। पिछले दो दौर की वार्ता इस्तांबुल में हुई थी, और रूसी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस बार भी बैठक की मेजबानी तुर्किये करेगा। मई और जून में हुई वार्ताओं के परिणामस्वरूप युद्धबंदियों और शहीद सैनिकों के शवों का आदान-प्रदान हुआ, लेकिन कोई अन्य समझौता नहीं हो सका।

ऑस्ट्रेलियाई संसद की कार्यवाही शुरू होते ही गाजा पर संग्राम,इस्राइल पर प्रतिबंध की मांग

मेलबर्न,22 जुलाई 2025। ऑस्ट्रेलिया की नई संसद की शुरुआत ऐसे समय हुई जब देश के अंदर और बाहर कई मुद्दे गर्माए हुए हैं। मंगलवार को जब संसद का सत्र शुरू हुआ, उसी समय सैकड़ों प्रदर्शनकारी संसद भवन के बाहर जुटे और गाजा युद्ध को लेकर इस्राइल पर कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की। संसद के भीतर और बाहर इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखी गईं। ऑस्ट्रेलिया पहले ही कुछ इस्राइली नेताओं पर व्यक्तिगत प्रतिबंध लगा चुका है, लेकिन देश में अब व्यापक प्रतिबंध की मांग बढ़ रही है। ऑस्ट्रेलिया की संसद में मंगलवार को नए सत्र की शुरुआत हुई, जिसमें प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी भारी बहुमत के साथ लौटी है। यह सत्र हालांकि परंपरागत रूप से औपचारिक रहा, लेकिन गाजा संघर्ष की गूंज संसद भवन में भी सुनाई दी। संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने इस्राइल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की और 'गाजा को न्याय दो' जैसे नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों को संसद में घुसने से रोका गया : सुरक्षा अधिकारियों ने लगभग 15 प्रदर्शनकारियों को संसद के ऊपरी सदन की गैलरी में प्रवेश करने से रोक दिया। ये प्रदर्शनकारी उस समय अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे जब अटॉर्नी जनरल सैम मोस्टिन संसद को संबोधित कर रहे थे। इस बीच, ग्रीन पार्टी की उप नेता सीनेटर मेहरीन फारुकी ने एक पोस्टर लहराकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया जिस पर लिखा था, गाजा भूखा है, केवल शब्द नहीं, इस्राइल पर प्रतिबंध लगाओ।

इस्राइली नेताओं पर व्यक्तिगत प्रतिबंध

ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही इस्राइल के दो मंत्रियों इतामार बेन गविर और बेजेल स्मोट्रिच पर वित्तीय और यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि,सरकार ने अभी तक इस्राइल के खिलाफ किसी व्यापक राज्य-स्तरीय प्रतिबंध की घोषणा नहीं की है। प्रदर्शनकारियों और ग्रीन पार्टी की मांग है कि ऑस्ट्रेलिया को अब और कड़े कदम उठाने चाहिए।

गाजा पर ऑस्ट्रेलिया की प्रतिक्रिया : ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में 27 अन्य देशों के साथ मिलकर एक संयुक्त बयान जारी किया है। इसमें गाजा युद्ध पर कहा गया था कि अब ये युद्ध खत्म होना चाहिए। गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क ने इसे अब तक का सबसे सख्त बयान बताया। उन्होंने कहा कि जो कुछ हम देख रहे हैं, वह असहनीय है। बंधकों की रिहाई जरूरी है, लेकिन युद्ध का अंत भी उतना ही जरूरी है। विपक्षी नेता जोनाथन डुनियम ने सरकार की इस अंतरराष्ट्रीय पहल को 'चिंताजनक' बताया और कहा कि बयान में कई महत्वपूर्ण बातें छूट गई हैं।

ऑस्ट्रेलिया की नई संसद में समीकरण : 2024 के चुनावों में लेबर पार्टी ने 150 सीटों में से 94 पर जीत हासिल की, जो 1996 के बाद सबसे बड़ी जीत है। वहीं विपक्षी लिबरल पार्टी अब केवल 43 सीटों पर सिमट गई है। सीनेट में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं है, जिससे यह साफ है कि सरकार को इस्राइल पर और प्रतिबंध लगाने के लिए या फिर उससे जुड़ा कोई कानून पास कराने के लिए उसे विपक्ष या ग्रीन पार्टी के साथ समझौता करना होगा।

पुत्र मोह में भूपेश ने पूरी कांग्रेस को झोंका:प्रबोध मिंज

- भूपेश बघेल झूठ की फैक्ट्री,कोयला आबंटन के लिए कई पत्र लिखे,परमिशन दिलवाई...
- भ्रष्टाचारियों को बचाने प्रदेश की जनता को परेशान किया जा रहा है इसे कहते है चोरी ऊपर से सीना जोरी

भूपेश के बेटे कांग्रेस के कौन से पद पर है जो कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है : प्रबोध मिंज

जारी किए,कोयला आबंटन और पेड़ों की कटाई के भूपेश बघेल सरकार के कई दस्तावेज

भाजपा ने पत्रकार वार्ता में किया कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,22 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर,पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह और जिला सह संवाद प्रमुख रुपेश दुबे की उपस्थिति में प्रेस को सम्बोधित किया। पत्रकारवार्ता को सम्बोधित करते हुए विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि कांग्रेस बताएं कि भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल कांग्रेस के किस पद पर है जिस व्यक्ति का कांग्रेस में कोई पद नहीं उसे व्यक्ति के लिए पूरी कांग्रेस प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है इसका साफ मतलब है भूपेश बघेल ने पूरी कांग्रेस को पुत्र मुंह में झोंक दिया है।

प्रबोध मिंज ने कहा हमने पहले भी बड़े-बड़े ऐसे उदाहरण देखें हैं जिसमें लोगों ने पुत्र मोह में खुद को भी बर्बाद किया और अपने पूरे साम्राज्य को भी बर्बाद किया भूपेश बघेल इस दिशा में काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भूपेश बघेल और कांग्रेस भ्रष्टाचारियों को बचाने पूरे प्रदेश की जनता को परेशान कर रही है और साथ ही उनका आर्थिक रूप से नुकसान भी करने जा रही है जो की प्रदेश की जनता स्वीकार नहीं करेगी। कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर कांग्रेस पार्टी और भूपेश बघेल के झूठ का पर्दाफाश हो गया है। भाजपा ने पत्रकार वार्ता में तथ्यों एवं दस्तावेज प्रेजेंटेशन के माध्यम से कांग्रेस के झूठ को एक बार फिर बेनकाब किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चोरी और सीनाजोरी का उदाहरण बार-बार प्रस्तुत कर रही है। आप सबको पता होगा कि अपने शासनकाल के पाँच वर्ष में भूपेश बघेल जी ने छत्तीसगढ़ को दस जनपथ का चारागाह बना दिया था। श्री मिंज ने कहा कि शराब घोटाले,कोयला घोटाले, चावल घोटाले, गोठान घोटाले से लेकर पीएससी घोटाले तक में इसने प्रदेश के संसाधनों को जम कर लूटा था, आज इन घोटालों के आरोपी एक एक कर नप रहे हैं। सभी जेल जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेवजह जिस तरह अपराधियों के विरुद्ध हो रही कानून सम्मत कार्रवाई को कहीं और मोड़ा जा रहा है, वह दुर्भाग्यजनक और कांग्रेस में हिप्पोक्रेसी का सबसे बड़ा नमूना है। विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि जब भी आप सभी कॉल ब्लॉक आवंटन और पेड़ कटाई आदि पर सवाल उठाते थे, तो दस जनपथ के दबाव में सीधे तौर पर भूपेश बघेलजी बचाव में आ जाते थे। कहते थे कि कोल ब्लॉक आवंटन का विरोध करने वाले अपने-अपने घरों की बिजली बंद कर दें। सवाल यह है कि अब जब झूठे और बेबुनियाद आरोप लगा कर भूपेशजी अपनी कालिख धोने की कोशिश कर रहे हैं, तो क्या वह अपने घर और राजीव भवन की बिजली बंद करेंगे? आगे उन्होंने कहा कि यह तथ्य है कि न केवल भूपेश बघेल ने कोल ब्लॉक अशोक गहलोत को आवंटित किया था,बल्कि उससे पहले भी मनमोहन सिंह जी की सरकार में तमाम नियमों को धत्ता बताते हुए छत्तीसगढ़ के कोल ब्लॉक आवंटन की राह आसान की थी। उन्होंने कहा कि साल 2010 में केन्द्र में काँग्रेस की सरकार थी, तब कोयला मंत्रालय और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा हसदेव अरण्य को पूरी तरह से नो-गो जोन घोषित किया गया था। उसे कांग्रेस नीत सरकार के पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने ही सबसे पहले गो एरिया घोषित किया था। श्री मिंज ने कहा कि 23 जून 2011 को केन्द्र में कांग्रेस की सरकार रहते ही तारा परसा ईस्ट और कांटे बेसन कोल ब्लॉक को खोलने का प्रस्ताव दिया गया। जब छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, उस वक्त अडानी को दो बड़ी खदानों गारे पेलमा सेक्टर-2 और राजस्थान में केते एक्सटेंशन ब्लॉक का ऑपरेटर बनाया गया। इसी तरह भूपेश बघेलजी के मुख्यमंत्री कार्यकाल में ही 16 अक्टूबर 2019 को राज्य सरकार ने पर्यावरण स्वीकृति के लिए सिफारिश भेजी। 31 मार्च 2021 को ओपन कास्ट गारे पेलमा सेक्टर-2, मांड-रायगढ़ कोलफील्ड के लिए हुआ समझौता भी सबके सामने है। इसी क्रम में 19 अप्रैल 2022 को भूपेश बघेल जी के मुख्यमंत्री रहते ही कांग्रेस सरकार द्वारा वन स्वीकृति स्टेज-1 और 23 जनवरी 2023 को वन स्वीकृति स्टेज-2 के लिए सिफारिश भेजी गई। महाजेंको कोल फील्ड की स्वीकृति में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संलिप्तता को लेकर तब अनेक अखबारों ने समाचार भी प्रकाशित किए थे। 25 मार्च 2022 को भूपेश सरकार ने राजस्थान में अशोक गहलोत की सरकार के रहते राजस्थान को कोल माइंस का आबंटन किया था।

श्री मिंज ने कहा कि भाजपा कांग्रेस से सवाल करती है कि क्या वह मनमोहन सिंह सरकार के समय हुए निर्णयों के लिए आज माफ़ी मांगेंगे?

क्या भूपेश बघेल यह घोषणा करेंगे कि अब कांग्रेस कभी बिजली का उपयोग नहीं करेगी, क्योंकि स्वयं यह कह चुके हैं कि विरोध करने वाले अपने घर की बिजली बंद कर दें।

क्या कांग्रेस हर अपराधी के पक्ष में ऐसे ही खड़ी होगी, जैसे आज पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे के लिए हुई है?

अंत में प्रबोध मिंज ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार रही तब राजस्थान के तत्कालीन मंत्री बी डी कल्ला ने भूपेश बघेल को पत्र लिखा और राजस्थान के तत्कालिक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक सप्ताह के भीतर कई पत्र लिखे कोल ब्लॉक आंबटन के लिए। जिसे छत्तीसगढ़ और देश की जनता ने देखा है। पत्रकार वार्ता के दौरान धनंजय मिश्रा,अजय सोनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक साल छः महीने में ही शातिर प्रधान आरक्षक व आरक्षक की हुई वापसी,आते ही मिला थाना

आईजी सरगुजा के आदेशों की अवहेलना पर निलंबित हुए थे प्रधान आरक्षक व आरक्षक

क्या एक साल छः महीने के वनवास के बाद सुधरेंगे यह दोनों या फिर से पुराने लय में ही करेंगे काम?

जनकपुर में संदीप व संजय की जोड़ी फिर जमाएगी धमाल?

अपने उच्च अधिकारियों का तबादला करवाने तक का भरते थे दम पर अपने तबादला रुकवाने पर छूटा था पसीना...

- » स्थानीय थाना से मोह छूट नहीं रहा था और जब जिले से बाहर तबादला हुआ तो प्रधान आरक्षक व आरक्षक को हुई तकलीफ
- » आम लोगों को तकलीफ देने वाले प्रधान आरक्षक व आरक्षक अपनी करनी से फसे थे तकलीफ में...
- » तबादले के 50 दिन बाद भी नहीं गए थे नवीन जिला,झेलनी पड़ी थी निलंबन की कार्यवाही
- » अधिकारियों को अपनी पकड़ का धौंस दिखाने वाले इन पुलिसकर्मियों के ऊपर कार्यवाही करना था सही फैसला
- » इन प्रधान आरक्षक व आरक्षक के खिलाफ थी काफी शिकायतें...वसूली में भी थी इन्हें महारत हासिल

क्षेत्र की जनता इन रसूखदार आरक्षक व प्रधान आरक्षक से थी परेशान

-रवि सिंह-

एमसीबी,22 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। शासकीय विभागों में कार्यरत अलग-अलग लोग अपनी अलग-अलग कार्यप्रणाली के लिए विख्यात रहते हैं जहां कुछ अच्छी कार्यप्रणाली के लिए जाने जाते हैं वहीं कुछ की कार्यप्रणाली ऐसी होती है जो उन्हें सुर्खियों में बनाए रखती है और उनकी कार्यप्रणाली से उनके विभाग का नाम बदनाम होता रहता है,कुल मिलाकर कुछ विभाग के लिए गौरव का विषय होते हैं कुछ कलंक का विषय होते हैं। ऐसा लगभग शासन के हर विभाग में पाया जाता है, ऐसा ही कुछ पुलिस विभाग में भी देखने को मिलता है। वैसे अच्छी कार्यप्रणाली वाले और विभाग के गौरव माने जाने वाले किसी मामले में भले परेशान हो जाएं लेकिन

दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के लिए विख्यात लोग कभी परेशान नहीं होते और यदि होते हैं भी तो वह पूरी व्यवस्था को विभाग के ऐसा परेशान कर देते हैं कि उन्हें उनके मन अनुसार व्यवस्था देना विभाग की मजबूरी बन जाती है। विषय का विषय है पात्र हैं इसीलिए आज का यह प्रसंग और समाचार भी है क्योंकि मामला एमसीबी जिले के कुछ ऐसे पुलिसकर्मीयों से जुड़ा हुआ है जिन्हें उनकी दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के लिए जब जिले से बाहर हटाया गया तब उन्होंने पूरी व्यवस्था को ऐसा परेशान किया कि उन्हें एक वर्ष के भीतर ही वापस लाना पड़ा जिले में और उन्हें उनके हिसाब से जिले में एमसीबी जिले में पुलिसथानों में पदस्थ करना विभाग की मजबूरी हो गई। अवैध कारोबार को संरक्षण देने सहित वसूली के आरोपों से घिरे पुलिसकर्मी पहले जिले से शिकायत के आधार पर बाहर भेजे गए बाद में उन्हें एक वर्ष के भीतर ही वापस बुलाना पड़ा और उन्हें पुनः मन अनुसार उनके पदस्थ करते हुए मन पसंद पुलिस थाने में भेजा गया। यह पुलिसकर्मी प्रधान आरक्षक के पद पर कार्यरत हैं और इनकी कार्यप्रणाली से कभी एमसीबी जिला वह भी एक वर्ष पूर्व एमसीबी जिले का पुलिस विभाग बदनाम हुआ करता था और उन्हें जिले से हटाना पुलिस एमसीबी जिले की मजबूरी बन गई थी। पुलिस विभाग में यह केवल एमसीबी जिले का ही हाल नहीं है यह पूरे पुलिस विभाग का हाल है जहां अच्छे और विभाग के लिए गौरव रहे पुलिसकर्मी भले प्रभावित होते आए हैं या होते रहेंगे दोषपूर्ण कार्यप्रणाली वाले कभी प्रभावित नहीं होंगे वह एन-केन-जुगाड बनाकर अपनी व्यवस्था जरूर कर लेंगे वह भी अपनी मंशानुसार।

एक साल छ- महीने में ही शातिर प्रधान आरक्षक व आरक्षक की हुई वापसी आते ही मिला थाना-एक साल छः महीने मात्र वनवास काटने के बाद शातिर प्रधान आरक्षक ने अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करके पुनः वनवास समाप्ति का जुगाड बना लिया,एमसीबी जिले से बाहर भेजे जाने के बाद पहले तो महीनों न जाने के लिए प्रयास किया उसने लेकिन जब दबाव बढ़ा तब उसने जिले से बाहर जाना स्वीकार किया और मात्र एक वर्ष के भीतर ही उसने अपनी घर वापसी का भी जुगाड बना लिया। एमसीबी से पुनः एमसीबी वापस आने के लिए शातिर प्रधान आरक्षक ने राजनीतिक आकाओं का भी खूब इस्तेमाल किया और अंततः उसने घर वापसी का जुगाड बना लिया। अब वह एमसीबी जिले के मन पसंद पुलिस थाने में काम करेगा और पुनः अपनी कार्यप्रणाली से जिले के पुलिस विभाग की छवि धूमिल करेगा।

क्या एक साल के वनवास के बाद सुधरेंगे यह दोनों या फिर फिर से पुराने लय में ही करेंगे कार्य?

एक वर्ष छ महीने के वनवास के बाद एमसीबी जिले में पुनः वापसी कर चुके दो पुलिसकर्मी क्या अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाएंगे,या वह पुनः उसी लय में कार्य करेंगे जैसा करके वह एमसीबी नवीन जिले के पुलिस विभाग को बदनाम कर चुके हैं। जिले में वापसी कर चुके दोनों पुलिसकर्मी सुधरेंगे ऐसा उनको जानने वाले नहीं मानते उनका मानना है कि वह अपनी मनमानियां जारी रखने के लिए ही जिले में वापसी कर रहे हैं और उन्हें इसलिए तत्काल पुलिस थाना भी प्रदान कर दिया गया है,अवैध कारोबार को संरक्षण देने सहित अवैध वसूली का सिलसिला पुनः जारी होगा यह माना जा रहा है और ऐसा वही मान रहे हैं जो उनकी कार्यप्रणालियों से अवगत हैं।

जनकपुर में संदीप व संजय की जोड़ी फिर मचाएगी धमाल?

एमसीबी जिले के जनकपुर पुलिस थाने में एक प्रधान आरक्षक की जिसका नाम संदीप है को नई पदस्थापना प्रदान की गई है,वहीं पहले से ही वहां उसका जोड़ीदार संजय मौजूद है,पहले भी यही जोड़ी जिले में कानून तोड़ने वालों के लिए एक सहारा बनती थी और बेसहारा लोगों के लिए यही उनके दुख का कारण बनते थे यह विख्यात रहा है, अब दोनों मिलकर फिर से एमसीबी जिले के जनकपुर पुलिस थाने में धमाल मचाएंगे यह माना जा रहा है।

पुलिसकर्मी जिनके विरुद्ध आईजी सरगुजा ने की है निलंबन की कार्यवाही

एमसीबी जिले में कार्यरत वहीं गृह पुलिस थाना क्षेत्रों में ही कार्यरत तीन पुलिस कर्मी जिनकी लगातार शिकायतों के बाद आईजी सरगुजा ने जिले से बाहर अन्य जिले में पदस्थापना की थी जिनका तबादला किया गया था उनमें प्रधान आरक्षक और आरक्षक के नाम शामिल हैं। प्रधान आरक्षक 78 अमित जैन,प्रधान आरक्षक 55 संदीप बागिश,आरक्षक क्रमांक 135 यह वह तीन नाम हैं जो एमसीबी जिले से बलरामपुर जिले भेजे गए थे जिन्हे एमसीबी जिले से रवानगी लेने उपरांत भी बलरामपुर जिले में कार्यभार ग्रहण नहीं करने के फलस्वरूप निलंबित किया गया है आईजी सरगुजा द्वारा। इन तीनों को एमसीबी जिले से रवानगी लेने उपरांत दो बार कार्यभार ग्रहण करने हेतु नोटिस भी भेजा गया था बावजूद इन्होंने 50 दिवस तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया जिसके कारण इन्हें निलंबित किया गया है।

ऊंची पकड़ और अपनी धौंस अधिकारियों पर दिखाने में माहिर थे पुलिसकर्मी

आईजी सरगुजा ने जिन तीन पुलिसकर्मियों को आदेश की अवहेलना का हवाला देते हुए निलंबित किया है वह तीनों अपनी ऊंची पकड़ और धौंस अधिकारियों पर भी जमाने का हुनर रखते थे। तीनों की ऊंची पकड़ है और वह जिसके दम पर जैसा चाहेंगे वैसा ही विभाग में होगा यह उनका आत्मविश्वास था। आईजी सरगुजा ने उनके इसी आत्मविश्वास को अवहेलना माना और उन्हे निलंबित कर नियम का पालन नहीं करने पर दंड के प्रावधान का एहसास कराया। एमसीबी जिले के तीनों पुलिसकर्मी अब तक गृह जिले के पुलिस थानों में ही पदस्थ अपनी ऊंची पकड़ के दम पर रहते चले आ रहे थे। वैसे इनकी ऊंची पकड़ पुरवर्ती सरकार के कार्यकाल में ही थी जैसा बताया जाता है अब सत्ता परिवर्तन के बाद इनकी सुनने वाला कोई नहीं जिसके कारण इनका इस बार पहुंच पकड़ काम नहीं आया जो बताया जा रहा है।

एमसीबी जिले से तबादला होने से खुश हुए थे लोग...

जब एमसीबी जिले से इन पुलिसकर्मियों का तबादला किया गया था तब जिले वासी साथ ही उन थाना क्षेत्रों के लोग जहां यह पदस्थ थे काफी प्रसन्न हुए थे। उन्हे जैसे इसी दिन का इंतजार था। अपनी दोषपूर्ण कार्यप्रणाली को लेकर प्रसिद्ध इन तीनों पुलिसकर्मियों से लोग काफी त्रस्त थे जैसा की लगातार सुना देखा जाता था जिससे इनके तबादले के बाद लोगों ने राहत की सांस ली थी। थाना क्षेत्र में लोगों को बेवजह परेशान करना वसूली करना आदत थी इनकी जो क्षेत्र के लोगों के लिए परेशानी का सबब थी। इनके खिलाफ काफी शिकायतें थीं जिसके बाद ही इन्हे हटाया गया था।

उच्च अधिकारियों का भी तबादला कराने भरते थे दम,ऊंची पकड़ का था इनको घमंड

पुलिसकर्मी अपने उच्च अधिकारियों का भी तबादला कराने का दम भरते थे। अपने विरुद्ध खासकर दोषपूर्ण कार्यप्रणाली को लेकर कोई आपत्ति किए जाने पर यह अधिकारियों को ही अन्यत्र भेंजने का दम भरते थे। पुरवर्ती शासनकाल में इन्हे राजनीतिक रूप से इतना संरक्षण प्राप्त था की इनकी हर मनमानी हर गलती गलती नहीं मानी जायेगी यह इन्हे विश्वास था। बताया जाता है की अधिकारी भी विभाग के इनसे भयभीत रहते थे की कब किसकी पदस्थापना यह कहां करा दें। वैसे सत्ता परिवर्तन के बाद इनकी ऊंची पकड़ फीकी पड़ती नजर आ रही है और इन्हें निलंबन का दंश झेलना पड़ रहा है जो नजर आ रहा है।

बालको में 'क्वालिटी संकल्प' पहल से गुणवत्ता को मिला नया आयाम

-संवाददाता-

कोरबा,22 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। वेदांता समूह की भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने 'क्वालिटी संकल्प' नामक गुणवत्ता सुधार पहल की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य 'शून्य दोष' लक्ष्य को हासिल करना है। इस मासिक आयोजन में 300 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों ने भाग लिया। बालको में कच्चे माल की जांच से लेकर अंतिम उत्पाद निरीक्षण तक गुणवत्ता को हर स्तर पर प्राथमिकता दी जाती है। इस पहल से उत्पादन प्रक्रिया की दक्षता और उत्पाद की विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद मिल रही है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि गुणवत्ता केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति है। 'क्वालिटी संकल्प' से व्यक्तिगत उत्तरदायित्व और सतत सुधार को बढ़ावा मिल रहा है। बालको में 'क्वालिटी नॉलेज बाइट्स' और 'स्टैंडर्ड कार्निवल्स' जैसी कई गुणवत्ता आधारित गतिविधियां सालभर संचालित की जाती हैं, जिससे कर्मचारी जागरूकता और उत्कृष्टता में निरंतर वृद्धि हो रही है।

खड़गवां का स्वच्छता अभियान दूसरे तरफ जनपद पंचायत के मुख्य गेट पर कचरों का ढेर

स्वच्छ भारत मिशन की रैली में नहीं थे उपस्थित ग्राम पंचायत के ग्रामीण ग्राम पंचायत में नहीं थी किसी स्वच्छ भारत मिशन के कार्यक्रम की जानकारी?

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,22 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। जनपद पंचायत मुख्यालय खड़गवां में ग्राम पंचायत खड़गवां का स्वच्छता अभियान,जो स्वच्छ और स्वस्थ शहर का सपना दिखाता है, व्यावहारिक रूप में कहां खड़ा है, यह सवाल तब उठता है जब जनपद पंचायत मुख्यालय के मुख्य गेट पर ही दुकानदारों को कचरों के अंबार से जूझते हुए देखा जाता है। कचरे की यह स्थिति न केवल स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल उठाती है, बल्कि एक गहरे आक्रोश और असंतोष का भी प्रतीक है, जो स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों में व्याप्त है?

वहीं जनपद पंचायत प्रंगाण में वही तहसील कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के लिए इस मुख्य द्वार से होकर ही जाना है और उसी मुख्य द्वार पर ही कचरा डंपिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। यह फैसला न सिर्फ व्यापारिक समुदाय को प्रभावित कर रहा है,बल्कि आसपास के क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों के लिए भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन महज ग्राम पंचायत खड़गवां में खानापूर्ति बनकर रह गया है यहां जनपद पंचायत क्षेत्र एवं मुख्यालय में सिर्फ अधिकारी कर्मचारी स्वच्छता अभियान को लेकर अपनी सक्रियता नहीं दिखाते है वो सिर्फ परिसर कि साफ सफाई कर फोटो ग्राफी कर सोशल मीडिया में दिखा कर अपने जिम्मेदारी कि इतिश्री कर लेते है जो ग्राम पंचायत खड़गवां के द्वारा किया गया था। यह विडंबना ही कहा जाए एक तरफ सरकार और प्रशासन स्वच्छ भारत अभियान जैसे योजनाओं को लेकर प्रतिबद्धता दिखाते हैं, और दूसरी तरफ जनपद पंचायत तहसील कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के मुख्य द्वार पर कचरे का ढेर दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। कचरे के डंपिंग की यह स्थिति कई मायनों में चिंताजनक है। सबसे पहले, यह स्वच्छता के प्रति ग्राम पंचायत एवं जनपद पंचायत प्रशासन की उदासीनता को दर्शाता है। व्यापारिक क्षेत्रों में कचरा फैलने से न केवल दुकानदारी पर असर पड़ता है, बल्कि स्थानीय व्यवसायों की छवि और उनके ग्राहकों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त,आसपास की आबादी को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कचरे से उठने वाली बदबू, कीड़े-मकौड़ों का बढ़ना, और बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। दूसरी ओर, पर्यावरणीय दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह डंपिंग स्थल एक पर्यावरणीय संकट को जन्म दे रहा है। कचरा न केवल जमीन और पानी को प्रदूषित कर रहा है, बल्कि वायु प्रदूषण भी बढ़ा रहा है। इसमें शामिल प्लास्टिक, केमिकल और अन्य हानिकारक पदार्थ पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों एवं दुकानदारों का कहना है कि उन्होंने जनपद पंचायत में और ग्राम पंचायत में कचरे कि साफ सफाई को लेकर कई बार संपर्क किया है, लेकिन जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत के द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। जबकि जिस जगह पर कचरा डंपिंग के लिए जगह बनाई गई है उसके महज पांच फीट की दूरी पर हैंडपंप है जिसका पानी दूरदराज से आए ग्रामीण जन एवं स्थानीय दुकानदारों के द्वारा पीने के लिए उपयोग किया जाता है। इस तरह की स्थिति प्रशासनिक उदासीनता का उदाहरण है, जो जनपद पंचायत खड़गवां एवं ग्राम पंचायत खड़गवां की कार्यक्षमता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। एक तरफ जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत कागजों पर स्वच्छ भारत मिशन अभियान की रैली निकाल कर जागरूक कर रहा है, और दूसरी तरफ वास्तविकता में लोग कचरों के ढेर से जूझ रहे हैं। यह सवाल उठता है कि जनपद पंचायत जो कि स्वच्छता के लिए जिम्मेदार है, इस मुद्दे पर क्यों निष्क्रिय है?

क्या यह प्रशासनिक ढांचे की कमजोरी का परिणाम है, या फिर यह एक सोची-समझी नीति है जो केवल कुछ क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है या अनदेखी की जाती है? ग्राम पंचायत खड़गवां में केवल कागजों पर स्वच्छता अभियान चलाने से कुछ हासिल नहीं होगा। इसके लिए जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है?

जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत को शीघ्र ही इस मुद्दे का हल करने की दिशा में कदम उठाने की जरूरत है,ताकि जनपद पंचायत खड़गवां मुख्यालय को वास्तव में स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके?

बरसात के समय में जहां बीमारियां बढ़ी हैं वहीं डॉक्टरों के समय पर नहीं बैठने से मरीज की परेशानी भी बढ़ रही, जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर में व्यवस्था कभी सुधर सकेगी अब लगता नहीं है...

जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर में मरीजों की स्थिति भगवान भरोसे वाली, डॉक्टर नहीं बैठते समय पर

डॉक्टर व स्टॉप की लापरवाही सीसीटीवी में देखी जा सकती है...

आपको बता दे कि मंगलवार के दिन यानी की 22 जुलाई जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ थी और मेडिसिन काउंटर से लेकर ओपीडी में कोई भी स्टाफ व डॉक्टर नहीं थे,मरीज बैठकर डॉक्टर का इंतजार करते देखे जा रहे थे जब वहां पर पता किया गया तो पता चला कि ऐसी स्थिति आए दिन देखने को मिलती है और यदि विश्वास नहीं है तो अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल गया तो डॉक्टर के आने के समय और स्टाफ के आने को समय को उसमें साफ देखा जा सकता है, पर अब इतनी जहमत उठेगा कौन क्योंकि किसी में नही स्वस्थ व्यवस्था बेहतर करने की लालसा है ही नहीं?

मंगलवार यानी की 22 जुलाई की तस्वीर मेडिसिन काउंटर पर कोई नहीं

महिला ओपीडी कक्षा से नदारत दिखे स्टाफ डॉक्टर

शिशु रोग ओपीडी का दरवाजा रहा बंद

डॉक्टर के इंतजार में बैठे मरीज

-रवि सिंह-
कोरिया,22 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले का जिला चिकित्सालय अब मरीजों के लिए ऐसा सुविधा केंद्र हो चुका है जहां मरीज बीमारी में आते तो हैं समय पर इलाज की चाहत में जल्द आराम की उम्मीद में लेकिन उन्हें जब आकर यह पता चलता है कि डॉक्टर तो बैठे ही नहीं हैं जबकि उनके अपने कक्ष में बैठने का समय हो गया है और वह फिर भी कक्ष से नदारद हैं और उनसे इलाज और अपने कष्ट से आराम की चाहत में आया मरीज फिर इंतजार के लिए या तो डॉक्टर के मजबूर हो जाता है और कुछ समय तक और शारीरिक कष्ट झेलता है और या फिर निजी किसी अस्पताल या डॉक्टर के पास जाने निर्णय लेने विवश हो जाता है। जिला चिकित्सालय का यह हाल एक दिन का नहीं है यह प्रतिदिन का मामला हो गया है और अब बरसात के इस मौसम में जब बीमारियां बढ़ी हुई हैं मरीज भी इस कारण दिक्कत परेशानी झेलने मजबूर हैं। जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों के विलंब से अस्पताल आने के पीछे की वजह उनका निजी प्रेक्टिस बताया जाता है और जिसको वह ज्यादा प्राथमिकता देते हैं। कई ऐसे डॉक्टर भी हैं जो विलंब से आते हैं जिन्हें लोग भगवान भी मानते हैं लेकिन वह अपना मूल कर्तव्य नहीं निभाना चाहते मन से वह निजी प्रेक्टिश को ज्यादा तवज्जो देते हैं क्योंकि यह उन्हें अतिरिक्त आय प्रदान करता है। जिला चिकित्सालय का वर्तमान में हाल ऐसा है कि मरीजों की संख्या काफी अधिक प्रतिदिन अस्पताल पहुंचती है और वह बड़ी उम्मीद से पहुंचती है क्योंकि बरसात के मौसम में बीमारियां बढ़ना आम है। जिला चिकित्सालय से आई तस्वीर इस बात की पुष्टि भी करती है और तस्वीर भेजने वाले ने बताया कि 11 बजे सुबह तक कोई डॉक्टर अपने कक्ष में बैठा नजर नहीं आया और न ही कब तक वह आयेंगे यह कोई बता सका,पूछने पर यही पता चला कि निजी प्रैक्टिस से जैसे ही वह खाली होंगे वह आयेंगे यह उनके खाली होने पर निर्भर है। वैसे शर्मनाक मामला यह है कि जिन डॉक्टरों को गरीबों मजबूरो के लिए उनके दुख तकलीफों के हरण की जिम्मेदारी मिली है जिसके लिए वह शान से महीने में लंबा वेतन ले रहे हैं वही कर्तव्य वह नहीं निभा पा रहे हैं।

बरसात का मौसम और बीमारियों की शुरुआत...डॉक्टर नदारद आम इंसान परेशान...

बरसात के मौसम में बीमारियों की शुरुआत हो जाती है और प्रायः हर व्यक्ति बीमार होता है यह एक माना विषय है,बीमार व्यक्ति अपने दुख तकलीफ से निजात पाने डॉक्टर के पास जाने का सोचता है और अपनी क्षमता अनुसार वह निजी या शासकीय अस्पताल का चयन करता है,शासकीय अस्पताल वह पहुंचकर केवल डॉक्टर के इंतजार में ही समय बिताता नजर आता है,वह एक तरफ बीमार होता है कष्ट में होता है दूसरी तरफ वह इसी समय उन डॉक्टरों के कारण और परेशान हो जाता है जिन्हें उनकी सुविधा के लिए सरकार ने वेतन पर रखा है। यह शासकीय अस्पताल की आम सी व्यवस्था बन चुकी है जो हरदम ऐसी ही नजर आती है,समय पर अस्पताल नहीं आने वाले कोई एक दो डॉक्टर नहीं हैं बल्कि सभी का एक जैसा हाल है जो ऐसा ही चला आ रहा है।

निजी प्रेक्टिस है वजह...वेतन से अधिक की चाह में सेवाभाव से दूर जा चुके डॉक्टर

निजी प्रेक्टिस इसकी वजह मानी जाती है,शासकीय अस्पताल के डॉक्टर निजी प्रेक्टिश में व्यस्त रहते हैं,वह सुबह हो या शाम हो हर समय वेतन से अधिक की चाह में लगे रहते हैं,डॉक्टरों के द्वारा अस्पताल का रुख तब किया जाता है जब उनके निजी अस्पताल से या घर से सुबह शाम आने वाले मरीज इलाज कराकर लौट जाते हैं,घर या क्लिनिक में पैसे से वह मरीजों का हाल चाल जानते हैं दवाईयां लिखते हैं और यही वजह है कि वह शासकीय कर्तव्य से चोरी करते हुए वहां पहुंचने के समय में ही कटौती कर देते हैं। प्रायः हर डॉक्टर प्रतिदिन विलंब से अस्पताल आता है और वह जल्द जाने की भी फिराक में रहता है।

ओपीडी कक्ष में नहीं मिलने पर राउंड पर जाने की बताई जाती है बात,झूठ बोलने के लिए अन्य कर्मचारी देते हैं साथ

किसी डॉक्टर का अस्पताल में आने का समय निर्धारित है और जाने का भी निर्धारित है,अब यदि कोई मरीज जब पहुंचता है ओपीडी कक्ष में और वह डॉक्टर को नहीं पाता है तो वह किसी न किसी से डॉक्टर के आने का समय पूछता है और तब उसे बताया जाता है कि डॉक्टर राउंड पर हैं, ऐसा बोलने के लिए ट्रेंड लोग अस्पताल के ही कर्मचारी होते हैं जो ऐसा बोलकर डॉक्टर की अनुपस्थिति को छिपा देते हैं जबकि डॉक्टर घर से आए नहीं होते हैं।

जिन्हें कहते हैं लोग भगवान...मानते हैं भगवान...वह भी कर्तव्य चोरी में अव्वल...बाहरी सेटिंग की दवाइयों के एक एजेंट

जिला चिकित्सालय में पदस्थ कुछ डॉक्टरों को कुछ लोग भगवान की भी उपाधि से नवाजते हैं और सोशल मीडिया में उनकी महिमा का बखान करते हैं लेकिन वह कर्तव्य चोरी में सबसे अव्वल हैं,जहां से वेतन पाते हैं वहां समय कम देते हैं और घर पर पैसा लेकर वह कभी भी उपलब्ध रहते हैं,निजी रूप से वह जब देखते हैं मरीज को तो वह महंगी सेटिंग की दवाइयों के एक एजेंट की तरह काम करते हैं और वही दवाइयां लिखते हैं जो अन्य ब्रांड में सस्ती तो मिल सकती हैं लेकिन वह ऐसे ब्रांड की लिखते हैं कि जो महंगी भी होती है और वह वहीं मिलती है जहां डॉक्टर की सेटिंग होती है, वैसे इस मामले में सेटिंग वाली दवाई मामले में एक शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर का नाम सबसे ऊपर है जो सेवाभाव की बजाए स्व उत्थान भाव से काम करने के लिए विख्यात हैं और जिन्हें कुछ लोग भगवान कहते हैं सोशल मीडिया में।

नगर पालिका बांकीमोंगरा द्वारा कराए गए सभी निर्माण घटिया होने का लगा आरोप

-संवाददाता-
कोरबा,22 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा-पश्चिम बांकीमोंगरा नगर पालिका परिषद में निर्माण कार्यों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। नगर पालिका क्षेत्र के सभी 30 वार्डों में जारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठे सवालों के बीच नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री कंवर ने एक निजी फर्म को ब्लैक लिस्ट करने की मांग की है। इससे पहले विधायक प्रतिनिधि लक्खू शर्मा ने नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव को लिखित शिकायत सौंपी थी, जिसमें नगर के निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता और घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया गया था। मंत्री के निर्देश पर जोनल डायरेक्टर (जेडी) बिलासपुर की ओर से गठित जांच कमेटी ने नगर पालिका उपाध्यक्ष गायत्री कंवर, गोवर्धन कंवर, भागवत विश्वकर्मा और सीएमओ की मौजूदगी में पालिका क्षेत्र में सघन जांच की गई । जांच में सामने आया कि लगभग सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन हैं। चाहे वो सड़क निर्माण हो या नाली निर्माण, हर जगह घटिया सामग्री का उपयोग और नियमों की अनदेखी साफ नजर आई। अब इस पूरे मामले में नगरवासियों की नजर जिला प्रशासन और मंत्री अरुण साव पर टिकी है कि दोषियों पर क्या कार्यवाही होती है।

विपक्ष पार्षदों ने निगम द्वारा जनविरोधी कार्य करने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
कोरबा,22 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

नगर निगम द्वारा जन विरोधी कार्य किए जाने का आरोप कांग्रेस और निर्दलीय पार्षदों ने लगाया है। इस संबंध में उन्होंने निगम नेता प्रतिपक्ष कृपा राम साहू के नेतृत्व में कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर पालिक निगम अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पा रहा है। मूलभूत सुविधाओं से जनता त्रस्त और महापौर मस्त है। पार्षदों का कहना है कि नगर निगम के 67 वार्डो में जल आपूर्ति बाधित है। शिकायत किये जाने पर तकनीकी खराबी एवं अन्य बहाना बनाकर 03 से 04 दिनों तक जल आपूर्ति बाधित कर दिया जाता है। साथ ही सप्लाई किये जाने वाला पानी पीने योग्य नहीं रहता है। लोगों को मजबुरी में गन्दा पानी पीना पडता है। जो कि बिमारियां होने का खतरा बना हुआ है। निगम के 67 वार्डो में स्ट्रीट लाईट के लिए वार्डवासी परेशान है। पूरा शहर अंधेरे में रहने को मजबूर है। शहर मे आश्चर्य की बात तो यह कि सिर्फ कमीशन के चक्कर मे शहर के चौक चौराहो की जलती हुई लाईट को बदला जा रहा है। लेकिन विभिन्न वार्डो की बस्तियों में जहा स्ट्रीट लाईट अतिविश्यकता है। वहां बरसात के दिनों में लोग डर के माहौल में रह रहे है। कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है। सुशासन तिहार में मिले आवेदन के जवाब में निराकरण दर्ज कर संबंधित स्थानों पर अभी तक लाईट नहीं लगाया गया है। कोरबा शहर की सफाई व्यवस्था अत्यंत दयनीय है। विभिन्न वार्डों के नाली नाला हाट बाजार में गंदगी फैल रही है। शिकायत करने पर गरीब व्यापारियों से 200 से 1000 रूपये तक वसूली की जाती है। साथ ही सब्जी व्यापारियों को हाट बाजारों में डस्टबिन रखने के लिए कहा जाता है। जबकि पहले से 02 से 03 गुना सफाई का खर्च बढ़ा दिया गया है। इसके बाद भी सफाई व्यवस्था सही तरीका से नहीं हो पा रही है। किसी वार्ड में 4-5 कार्य हो रहे है, तो किसी वार्ड मे एक भी कार्य नहीं किया जा रहा है। कहीं कहीं तो कमीशन के चक्कर में अनावश्यक एवं अनुउपयोगी कार्यो को कराकर फिजूलखर्ची कर निगम को आर्थिक क्षति पहुँचाई जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पात्र पात्रताधारी हितग्राहियों को आवास आवंटन में भी भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है।उपरोक्त बिंदुओ पर संज्ञान लेते हुए आवश्यक समाधान की मांग की गई है। मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष कृपा राम साहू, पार्षद बद्री किरण, प्रीति दिनेश शर्मा, मुकेश कुमार राठौर, सुभाष कुमार राठौर, रवि सिंह चंदेल, टामेश अग्रवाल, अनुज जायसवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

न्यायालय आयुक्त, सरगुजा संभाग अम्बिकापुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क0 2411960100097 /ब-121/2024 2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी करमचंद टोप्पो आ0 स्व0 पण्डरा टोप्पो जाति उरांव निवासी ग्राम कोलडिहा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपील का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम कोलडिहा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) में स्थित भूमि खसरा क0 65 / 2 कुल रकबा 1.43 एकड़ भूमि के लगभग 60-70 डिसमिल अंश को अपीलार्थी के पिता के द्वारा अपना धन व परिश्रम खर्च कर उसे कृषि योग्य बनाकर उस पर मकान, बाड़ी बनाकर काबिज काश्त होकर लगभग 40-50 वर्षो से अपने जीवन पर्यन्त निवासरत है। अधीनस्थ न्यायालय कलेक्टर सरगुजा अम्बिकापुर छ0ग0 के राजस्व प्रकरण क0 09/ब- 121 / 2024-25 (करमचंद टोप्पो प्रति बलदेव) में पारित आलोच्य आदेश दिनांक 17.10.2024 से क्षुब्ध एवं दुखी होकर अपीलार्थी राजस्व अपील अन्तर्गत धारा 44 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता के तहत् प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19.08.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
आज दिनांक.. को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील — आयुक्त सरगुजा संभाग, सरगुजाअम्बिकापुर

न्यायालय आयुक्त, सरगुजा संभाग अम्बिकापुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क0 202411960100098.. /ब-121/2024 2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी हिरनसाय पण्डो आ बागरसाय पण्डो जाति पण्डो निवासी ग्राम कोलडिहा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपील का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम कोलडिहा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) में स्थित भूमि खसरा क0 65 / 2 कुल रकबा 1.43 एकड़ भूमि के लगभग 60-70 डिसमिल अंश को अपीलार्थी के पिता के द्वारा अपना धन व परिश्रम खर्च कर उसे कृषि योग्य बनाकर उस पर मकान, बाड़ी बनाकर काबिज काश्त होकर लगभग 40-50 वर्षो से अपने जीवन पर्यन्त निवासरत है। अधीनस्थ न्यायालय कलेक्टर सरगुजा अम्बिकापुर छ0ग0 के राजस्व प्रकरण क0 08 / ब-121 / 2024-25 (हिरन पण्डो प्रति बलदेव) में पारित आलोच्य आदेश दिनांक 17.10.2024 से क्षुब्ध एवं दुखी होकर अपीलार्थी राजस्व अपील अन्तर्गत धारा 44 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता के तहत् प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19.08.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
आज दिनांक..को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील — आयुक्त सरगुजा संभाग, सरगुजाअम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान,जिला-सूरजपुर(छ0ग0).

रा0प्र0क्र0 ब/121 वर्ष
ग्राम - प0ह0न0

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रविन्द्र कुमार पिता मोतीलाल जाति तेली निवासी ग्राम सोनपुर शि .प.ह.न. 5. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के /पुत्री प्रियंका साहू का जन्म दिनांक 10/10/2013 है। आवेदक अपने पुत्री को ग्राम सोनपुर शि में हुई है, अज्ञानतावश जन्म/मृत्यु पंजीयन नही करा पाया प्रियंका साहू का जन्म/मृत्यु पंजीयन को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25/07/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।
आज दिनांक 11/7/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।
पेशी दिनांक- 25/07/2025
जारी दिनांक - 11/07/2025

सील — नायब तहसीलदार भैयाथान

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202507020700054

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व
सन्:-2024-25
अंबिकापुर प.ह.नं.00015 (हे.)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-शंकर प्रसाद रजवाड़े पिता स्व0 शम्भू राम रजवाड़े फूलवस अजय रजवाड़े संजय रजवाड़े, सुरेन्द्र, नरेन्द्र, माना, सुर्या, गुडडी.
अनावेदक पक्षकार- शंकर प्रसाद रजवाड़े पिता स्व0 शम्भू राम रजवाड़े फूलवस अजय रजवाड़े संजय रजवाड़े, सुरेन्द्र, नरेन्द्र, माना, सुर्या, गुडडी.

ईश्तहार

आवेदक संजय कुमार पिता स्व0 मुटुर राम व अन्य निवासी ग्राम मायापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2212/2, 2255/2, 2265/3, 2269, 2277/2, 2294/2 कुल खसरा नंबर 06 कुल रकबा 0.471 है0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/4 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11.08.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/07/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202507022900010

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व
सन्:-2024-25
मायापुर प.ह.नं.00014 (हे.)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-संजय कुमार सुरेन्द्र नरेन्द्र बिरेन्द्र सुर्या आउदय राम.
अनावेदक पक्षकार- शंकर प्रसाद राजवाड़े फूलवस अजय कुमार संजय कुमार, सुरेन्द्र,नरेन्द्र ,बिरेन्द्र सुर्या आ. उदय राम,

ईश्तहार

आवेदक संजय कुमार आप स्व0 मुटुर राम अन्य 04 का सभी निवासी ग्राम मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के ग्राम मायापुर स्थित संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 220 236/1, 274/1, 275/1 276/2, 277/1, 332/1, 340/2, 351/2 रकबा क्रमश : 0.142, 0.198, 010, 0.085, 0.061 0.062, 0,148, 0,061, 0.81 , 0.020 हे0 कुल खसरा 10 3. रकबा 0.898 है भूमि का उभयपक्ष के मध्य 1/4 अंश भाग में बंटवारा कराये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07.08.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने भाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार किया जाएगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/07/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202507020700028

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व
सन्:-2024-25
अंबिकापुर प.ह.नं.00015 (2256/5 (0.030(हे.)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-प्रभावती पति अतल सोनी छठी देवी, धरमशीला देवी, ललीता देवी,
अनावेदक पक्षकार- प्रभावती पति अतल सोनी छठी देवी, धरमशीला देवी, ललीता देवी,

ईश्तहार

आवेदक प्रभावती पति अटल सोनी व अन्य, निवासी महामाया पारा, नहर रोड, महामाया मंदिर के पास, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2256/5 रकबा 0.030 हे0 भूमि को आवेदकगण के मध्य में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11.08.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/07/2025 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0../अ-2 /2024 25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्णा कुमार अग्रवाल आ रामेश्वर दास अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी बगीचा तहसील बगीचा जिला जशपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 4626/2 रकबा 0.035 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 04/08/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 18/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा).अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदारअम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0../20240602070007 3 /ब-121/2023-24

प्रस्तावित नक्शा का अंतिम ईश्तहार प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202406020700073 /ब--1211/2023-24 अशोक कुमार त्रिपाठी प्रति छ.ग. शासन में ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2190/1 रकबा 0.297 हे. भूमि का नक्शा सुधार कर राजस्व निरीक्षक के माध्यम से मंगाया गया। जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त नक्शा बटांकन में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/08/2025 को इसे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।
आज दिनांक 18/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

धमाकेदार टी 20 लीग के शेड्यूल का ऐलान

2 अगस्त से होगा आगाज, 31 अगस्त को फाइनल

नई दिल्ली,22 जुलाई 2025। दिल्ली में घरेलू क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली दिल्ली प्रीमियर लीग एक बार फिर से लौट रही है और इस बार प्रतियोगिता पहले से भी ज्यादा रोमांचक होने वाली है। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 के आगाज के साथ राजधानी में क्रिकेट का जुनून फिर से परवान चढ़ेगा। डीपीएल2025 का आगाज 2 अगस्त से मेन्स कैटेगिरी के मुकाबलों के साथ होगा,जबकि महिलाओं की लीग की शुरुआत 17 अगस्त से होगी। पुरुषों का फाइनल मैच 31 अगस्त को खेला जाएगा, जबकि वूमेन्स कैटेगिरी का खिताबी मुकाबला 24 अगस्त को होगा।
इस बार की प्रतियोगिता में मेन्स कैटेगिरी को दो ग्रूप में बांटा गया है और हर ग्रूप में चार-चार टीमें शामिल की गई हैं। ग्रूप ए में आउटर दिल्ली वॉरियर्स,सेंट्रल दिल्ली किंग्स, न्यू दिल्ली टाइगर्स और नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स जबकि ग्रूप बी में वेस्ट दिल्ली लायंस, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज और पुरानी दिल्ली 6 शामिल हैं।

ऐसे होगा फाइनलिस्ट का फैसला

हर टीम अपने ग्रूप की बाकी तीन टीमों के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी और इसके अलावा दूसरे ग्रूप की चारों टीमों के खिलाफ एक-एक मैच,यानी कुल 10 मुकाबले खेलेगी। पॉइंट्स टेबल की शीर्ष दो टीमें आमने-सामने होंगी। जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें आमने-सामने होंगी। हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। एलिमिनेटर की विजेता टीम को क्वालीफायर 1 की हारी हुई टीम से भिड़ना होगा। जो टीम जीतेगी, वो फाइनल में जगह बनाएगी। इस तरह का फॉर्मेट लीग को और ज्यादा प्रतिस्पर्धी और रोमांचक बनाएगा।

डीपीएल में दिखेगा महिला क्रिकेट का जलवा

महिलाओं की दिल्ली प्रीमियर लीग का आयोजन 17 अगस्त से 24 अगस्त तक किया जाएगा। महिला वर्ग में कुल चार टीमें होंगी,जो राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेंगी। लीग स्टेज के अंत में शीर्ष दो टीमें सीधे फाइनल में आमने-सामने होंगी। महिला खिलाड़ियों को इस मंच से अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का सुनहरा मौका मिलेगा। दिल्ली प्रीमियर लीग का यह दूसरा सीजन होगा,जिससे स्थानीय क्रिकेट प्रतिभाओं को पहचान मिलने और उनके खेल में निखार आने की उम्मीद है।

टीम इंडिया को रचना पड़ेगा इतिहास

मैनचेस्टर,22 जुलाई 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज जारी है। अब तक तीन मैच हो चुके हैं। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया इस उम्मीद के साथ इंग्लैंड गई थी कि वहां से सीरीज जीतकर आएगी,लेकिन अब इस बात की संभावना काफी कम नजर आ रही है। तीन मैचों के बाद सीरीज में भारतीय टीम जहां खड़ी है,वहां से अब तक केवल तीन ही बार सीरीज जीत गई है और भारतीय टीम ने तो कभी भी ऐसा नहीं किया है। यानी अगर भारतीय टीम यहां से सीरीज जीतने में कामयाब हुई तो फिर अनोखा करिश्मा होगा और इतिहास रचा जाएगा।

शुभमन गिल को रचना पड़ेगा इतिहास

भारतीय टीम की बात की जाए तो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भी ऐसा नहीं हुआ है, जब टीम इंडिया ने 0-1 या 1-2 से पीछे होने के बाद पांच मैचों की सीरीज में जीत दर्ज की हो। यानी शुभमन गिल के सामने बड़ी और कड़ी चुनौती है। वैसे भी पहली बार एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी का आयोजन किया जा रहा है। अब यहां से अगर टीम इंडिया दोनों मैच बैक टू बैक जीते तो ही सीरीज जीती जा सकती है,अगर एक मैच जीता गया तो कोई बात नहीं बनेगी।

भारत और इंग्लैंड होंगे आज आमने-सामने

डेब्यू से पहले ही अंशुल को बताया बुमराह और जहीर खान जैसा गेंदबाज,अश्विन ने ये क्या कह दिया?

मैनचेस्टर,22 जुलाई 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज के बीच टीम इंडिया चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही है। जहां ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को चोट के चलते बचे हुए दोनों टेस्ट मुकाबलों से बाहर होना पड़ा है, वहीं तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी चौथे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने अंशुल कंबोज को टीम से जोड़ा है।
अब सबकी निगाहें मैनचेस्टर में 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट पर हैं, जहां यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अंशुल को टेस्ट डेब्यू का मौका मिलता है या नहीं। भले ही अंशुल कंबोज का अब तक इंटरनेशनल डेब्यू नहीं हुआ है, लेकिन भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने उनकी तेज गेंदबाजी कौशल की जमकर तारीफ की है। अश्विन ने उन्हें जसप्रीत बुमराह और जहीर खान जैसे समझदार और रणनीतिक गेंदबाजों की कैटेगिरी में रखा है। अपने यूट्यूब शो 'ऐश की बात' में अश्विन ने कहा कि अंशुल न सिर्फ तकनीकी रूप से मजबूत है, बल्कि उसकी सबसे बड़ी खूबी ये है कि वह अपनी रणनीति को गहराई से समझता है। बहुत से तेज गेंदबाज बस यही कहते हैं कि वो खुद को अभिव्यक्त करना चाहते हैं, लेकिन अंशुल जानता है कि वह मैदान पर क्या करना चाहता है और कैसे करना है।

स्किल और रणनीति में माहिर अंशुल

अश्विन ने यह भी कहा कि उन्होंने अंशुल को आईपीएल में गेंदबाजी करते हुए करीब से देखा है और उनकी लेंथ काफी सटीक है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वह स्किल की तुलना नहीं कर रहे हैं, लेकिन जिस तरह जहीर खान अपनी रणनीति पर अमल करते थे, वैसी ही समझ अंशुल में भी दिखती है। उन्होंने कहा कि जहीर खान जैसे गेंदबाज बहुत कम होते हैं जो अपनी योजना और रणनीति को मैदान पर लागू कर पाते थे। अंशुल भी इसी कैटेगिरी का खिलाड़ी लग रहा है। अगर उसे मैनचेस्टर टेस्ट में मौका मिलता है, तो भारत के पास शानदार पेस अटैक होगा।

पेस अटैक को दे सकते हैं धार

अर्शदीप सिंह की अनुपस्थिति में अगर अंशुल कंबोज को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलती है, तो वह जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाजों के साथ भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती दे सकते हैं। उनका चयन बतौर कवर खिलाड़ी हुआ है, लेकिन टीम मैनेजमेंट की रणनीति, हालात और पिच की कंडीशन को देखते हुए अंशुल को ड्रीम डेब्यू का मौका मिल सकता है।

वर्ल्ड महिला शतरंज कप के सेमीफाइनल में पहुंची दिव्या देशमुख

ताईवान,22 जुलाई 2025। भारत की प्रमुख खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरती हुई इंटरनेशनल मास्टर दिव्या देशमुख ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली हमवतन डी हरिका को टाईब्रेक में 2-0 से हराकर यहां फिडे वर्ल्ड महिला शतरंज कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्लासिकल बाजी दो बार ड्रॉ होने के बाद रैपिड टाईब्रेक में हरिका पर दबाव था।

दिव्या ने मारी बाजी

दिव्या ने दृढ़ निश्चय के साथ पहली बाजी जीती जिससे हरिका पर काफी दबाव बन गया। दिव्या ने इसके बाद दूसरी बाजी भी जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। हरिका तीन अलग-अलग मौकों पर इसी तरह के प्रारूप में सेमीफाइनलिस्ट रही हैं जिसे तब वर्ल्ड महिला चैंपियनशिप कहा जाता था। हम्पी और अब दिव्या दो भारतीय बन गई हैं जिन्होंने महिला वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। यह प्रतियोगिता नए वर्ल्ड चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है। इसका मतलब यह भी है कि अगले साल होने वाले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में एक भारतीय का प्रवेश पक्का हो गया है।

सेमीफाइनल में चीन की खिलाड़ी से हम्पी का सामना

महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से यह तय होगा कि वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की जू वेनजुन के खिलाफ कौन मुकाबला करेगा। एक दशक से भी अधिक समय से सर्वोच्च रैंकिंग वाली भारतीय कोनेरू हम्पी अपने करियर में पहली बार अंतिम चार में पहुंची हैं। दिव्या का उनके साथ सेमीफाइनलिस्ट के रूप में जुड़ना भारतीय महिला शतरंज में एक बड़ा बदलाव दर्शाता है जहां पुरुष खिलाड़ियों ने अधिक सफलता हासिल की है। सेमीफाइनल में हम्पी का सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की लेई टिंगजी से होगा जबकि दिव्या पूर्व महिला वर्ल्ड चैंपियन चीन की ही तान झोंगयी से भिड़ेंगी।

एचएस प्रणय ने धमाकेदार खेल दिखाया

नई दिल्ली,22 जुलाई 2025। भारतीय शटलर एचएस प्रणय ने मंगलवार को चांगझौ में चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में पाँच मैच पॉइंट बचाए और एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जापान के कोकी वतनबे को हरा दिया। दुनिया के 35वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 18वीं रैंकिंग के वतनबे को 8-21, 21-16, 23-21 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। लक्ष्य सेन के लिए यह दिन मुश्किल रहा, उनका खराब प्रदर्शन जारी रहा और उन्हें एक गेम की बढ़त गंवाकर चीन के पाँचवीं वरीयता प्राप्त ली शि फेंग से 21-14, 22-24, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। जीत के बाद प्रणय ने कहा,मेरे करियर के इस मोड़ पर,हर जीत मायने रखती है। मैं

दौरे पर वापस आकर खुश हूँ, बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक भी मिले। खेल का स्तर वाकई ऊँचा हो गया है और हर राउंड जीतना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने आगे कहा,पुरुष एकल में औसत आयु अचानक 22-23 वर्ष हो गई है। बहुत सारे नए चेहरे हैं और आप वास्तव में नहीं जानते कि उनका खेल क्या है। इसलिए, वहाँ एक अनुभवी खिलाड़ी होना कठिन है।

वीनस विलियम्स की धमाकेदार वापसी,फिर उतरेंगी यूएसओपन में

यूएसए,22 जुलाई 2025। 45 वर्षीय वीनस विलियम्स 24 अगस्त से 7 सितंबर के बीच होने वाले यूएस ओपन में शानदार वापसी करने के लिए तैयार हैं। टेनिस सुपरस्टार पहले से ही सितारों से सजे मिश्रित युगल वर्ग में नवीनतम खिलाड़ी हैं। कई बड़े नामों ने यूएस ओपन मिश्रित युगल ड्रॉ में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। उल्लेखनीय जोड़ियों में कार्लोस अल्काराज़ के साथ एम्मा राडुकानू और जैनिक सिनर के साथ एम्मा नवारो शामिल हैं-ऐसी जोड़ी जिन्हें प्रशंसक एक्शन में देखने के लिए उत्सुक हैं। एक नई घोषणा ने अब पुष्टि की है कि डब्ल्यूटीए की दिग्गज वीनस विलियम्स भी इस लाइनअप में शामिल होंगी, जो हाल ही में पेशेवर टूर पर वापसी के बाद ग्रैंड स्लैम टेनिस में उनकी वापसी का प्रतीक है। दो बार की यूएस ओपन एकल चैंपियन और दो बार की युगल खिताब विजेता, साथी अमेरिकी रीली ओपेल्का के साथ जोड़ी बनाएंगी। 1990 और 2000 के दशक में बहन सेरेना के साथ टेनिस में एक प्रमुख शक्ति रही वीनस, मिश्रित युगल ड्रॉ में जगह बनाने का लक्ष्य बना रही हैं, जिसमें बड़े बदलाव के बाद अब 750,000 का पुरस्कार पूल है।

जिम्बाब्वे ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला के लिए 16 खिलाडियों की टीम की घोषणा की

नई दिल्ली,22 जुलाई 2025। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार, जिम्बाब्वे ने पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियन न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों के लिए 16 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की है , जो 30 जुलाई से बुलावायो में खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला से कई बड़े नामों की वापसी से मेजबान टीम को मजबूती मिली है। इनमें ऑलराउंडर सिकंदर रजा और रॉय कैया तथा तनुनुरवा मकोनी की बल्लेबाजी जोड़ी शामिल है।

लकड़बग्घा 2 में शामिल हुईं सारा जेन डियास

अभिनेत्री सारा जेन डियास अब फिल्म लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस की कास्टिंग टीम में शामिल हो गई हैं। इस बात की जानकारी अभिनेता और फिल्म निर्माता अंशुमन झा ने दी है।फिल्म से जुडने् को लेकर अपनी खुशी जताते हुए सारा जेन डियास ने कहा, मुझे लकड़बग्घा 1 बहुत पसंद आई थी। जब मैंने सुना कि यह फिल्म एक ऐसे यूनिवर्स का हिस्सा है जिसमें जानवरों से प्यार करने वाला एक हीरो है, और अब यह कहानी आगे बढ़ रही है, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। ऐसी फिल्में बहुत कम

मिलती हैं जो एक्शन के साथ कोई अच्छा मकसद भी दिखाएं, जिसमें बेजुबान जानवरों की रक्षा करना शामिल हो।उन्होंने कहा कि लकड़बग्घा 2 आज के समय से जुड़ी हुई और भावनाओं से भरी फिल्म है।सारा ने कहा, इस फिल्म ने मुझे वो मौका दिया, जिसका मैं लंबे समय से सपना देख रही थी। मैं स्क्रीन पर एक्शन करना चाहती थी। मैं बहुत खुश हूं कि अंशुमन ने मुझे फिल्म का हिस्सा बनाया। बाकी टीम के साथ इस सफर में शामिल होकर अच्छा महसूस हो रहा है।अंशुमन ने अपने सोशल मीडिया पर सारा के शामिल होने की जानकारी देते हुए लिखा कि सारा के आने से लकड़बग्घा की टीम और भी ताकतवर और दमदार हो गई है। वह पर्दे पर एक शांत लेकिन जबरदस्त असर लेकर आती हैं।उन्होंने कहा, सारा की ताकत,सादगी और गहराई उन्हें लकड़बग्घा की दुनिया के लिए एकदम सही बनाती है। इस बार सिर्फ हमारी टीम वापस नहीं आई है, बल्कि और भी ज्यादा मजबूत, दमदार और गहराई से भरी हुई है।

नामी डॉक्टर से है अहान पांडे का खून का रिश्ता

बीते शुक्रवार को सैयारा सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म को लेकर काफी बज है। फिल्म की रिलीज ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। छोटे बजट और नए स्टार्स की फिल्म ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म की कमाई तीन दिनों में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म में नजर आ रहे दोनों ही लीड सितारे अहान पांडे और अनीत पड्डा ने इससे डेब्यू किया है। पहली ही फिल्म दोनों के लिए सफलता की सीढ़ी साबित हुई है। रातों-रात दोनों कलाकार स्टार बन गए हैं और इनकी ही चर्चा हो रही है। सोशल मीडिया से लेकर गूगल तक पर अहान पांडे और अनीत पड्डा ट्रेंड कर रहे हैं। दोनों को ही फैंस का जमकर प्यार मिल रहा है और लोग अब इनके बार में जानने के लिए उत्सुक हो गए हैं। इसी कड़ी में अहम आपके लिए अहान पांडे से जुड़ी दिलचस्प बात आपके लिए लेकर आए हैं।

अहान की फैमिली में कौन-कौन?

अहान पांडे फिल्मी परिवार से आते हैं और स्टारकिड हैं,ये बात अब किसी से भी छिपी नहीं रह गई है। अहान पांडे चंकी पांडे के भतीजे हैं और अनन्या पांडे के कजिन भाई हैं। वो चंकी पांडे के छोटे भाई और फेमस बिजनेसमैन चिक्की पांडे और फिटनेस ट्रेनर डियाने पांडे के बेटे हैं। उनकी बहन अलाना पांडे और जीजा इवर फेमस यूट्यूब व्लॉगर्स हैं। परिवार के सभी लोग अलग-अलग फील्ड में अपने हाथ आजमा चुके हैं, लेकिन अहान पांडे ने सधी हुई एक्टिंग की राह चुनी, जिसने उनके बड़े पापा चंकी पांडे को देश ही नहीं विदेश में भी स्टार बना दिया और उनकी कजिन बहन भी इस दिशा में आगे बढ़ रही हैं। वैसे क्या आप जानते हैं कि अहाना पांडे के दादा कौन थे?

कौन थे अहान पांडे के दादा?

जी हां, पापा और चाचा की तरह ही दादा भी कोई कम फेमस शख्स नहीं थे। अहान पांडे के दादा का नाम शरद पांडे था,जो पेशे से डॉक्टर थे और देश भर में काफी फेमस थे। कहा जाता था कि उनके जैसा हार्ट सर्जन होना आसान बात नहीं है। शरद पांडे कई नामी और दिग्गज लोगों के डॉक्टर थे। इतना ही नहीं शरद पांडे वही फेमस डॉक्टर हैं, जिन्होंने भारत में पहली हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जरी की थी। वो डॉक्टर्स की उस टीम में शामिल थे जो भारत में पहली बार हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जरी कर रही थी। 1934 में पैदा हुए शरद पांडे का निधन साल 2004 में हो गया। वे बल्डलेस हार्च सर्जरी के विशेषज्ञ थे और भारत में बल्डलेस ओपन हार्ट सर्जरी की शुरुआत करने वाले चंद लोगों में उन्हें गिना जाता है। शरद पांडे कनाडा से मास्टर डिग्री प्राप्त करने के बाद भारत लौट आए और उन्हें मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल और सेठ गोर्धनदास सुंदरदास मेडिकल कॉलेज (केईएम) में सेकेंट यूनिट चीफ का रोल दिया गया।

रेयर ऑपरेशन करने में थे माहिर

साल 1986 में शरद पांडे ने बॉम्बे के नानावटी अस्पताल में एक रेयर हार्ट सर्जरी की, जिसमें एक 29 वर्षीय रोगी के बाएं वेंट्रिकल से एक बड़ा ट्यूमर निकाला गया। यह भारत में अपनी तरह का पहला ऑपरेशन था, क्योंकि हृदय के उस हिस्से में ट्यूमर होना असामान्य माना जाता है। 15 जून 1991 को शरद पांडे को भारतीय हृदय-वक्ष शल्यचिकित्सक संघ का पहला अध्यक्ष भी चुना गया था। बता दें,अहान की दादी स्नेहलता पांडे भी डॉक्टर थीं। मुंबई में एक सड़क का नाम भी शरद पांडे के नाम पर ही रखा गया है। अहान पांडे की बहन अनन्या ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर वो एक्टर न बनती तो शायद वो अपने दादा की तरह डॉक्टर ही बनतीं।

निर्देशक कृष बोले,पवन कल्याण ने अपने किरदार में जान डाल दी

साल की सबसे बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्मों में से एक, हरि हर वीरा मल्लू,जो सुपरस्टार पवन कल्याण की बड़े पर्दे पर वापसी का प्रतीक है, 24 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। चूँकि पवन कल्याण आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री भी हैं,इसलिए फिल्म को लेकर चर्चाएँ ज़ोरों पर हैं। उनकी अनुपस्थिति में,फिल्म की मुख्य अभिनेत्री निधि अग्रवाल,ज़्यादातर प्रचार का नेतृत्व कर रही हैं। पवन कल्याण आखिरकार हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए,जहाँ उन्होंने निर्देशक कृष जगरलामुदी की खूब तारीफ़ की, जिनके दिमाग की यह फिल्म है। हालाँकि,कृष ने फिल्म पूरी नहीं की थी और इसके निर्माण में कई देरी के बाद फिल्म छोड़ दी थी। इसके बाद, निर्माता के बेटे,ज्योति कृष्णा ने फिल्म पूरी की। कृष के बारे में बात करते हुए,पवन कल्याण ने उनकी बहुत प्रशंसा की और कहा कि यह फिल्म निर्माता ही थे जिन्होंने इस अवधारणा को जन्म दिया और यह उनका दृष्टिकोण है जिसकी अब सभी सराहना कर रहे हैं। यह भाषण वायरल हो गया, जिस पर कृष ने एक बेहद भावुक सोशल मीडिया पोस्ट के साथ प्रतिक्रिया दी। अपनी लंबी पोस्ट में,कृष कहते हैं,हमारे पवन कल्याण गरु...एक असाधारण शक्ति जिसे किसी महान शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त है। उनमें एक ऐसी आग है जिसे कोई कैमरा पूरी तरह से कैद नहीं कर सकता...एक प्रकार की शक्ति जो उद्देश्य से आती है।

CMYK

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

मंत्रालय प्रवेश के लिए अब क्यू आर कोड वाले होलोग्राम युक्त आई कार्ड मिलेंगे

रायपुर,22 जुलाई 2025(ए)। सामान्य प्रशासन विभाग ने मंत्रालय में प्रवेश के लिए अब शासकीय सेवकों को क्यू आर कोड वाले होलोग्राम युक्त आई कार्ड जारी करेगा। इनकी वैधता 5 वर्ष और गैर शासकीय लोगों के लिए 1 वर्ष होगी। कार्ड तैयार करने और जारी करने के संबंध में जीएडी ने विस्तृत निर्देश जारी किया है ।

पकड़े गए हिरण के शिकारी

जगदलपुर, 22 जुलाई 2025(ए)। वन विभाग की टीम ने हिरण का शिकार करने के आरोप में 2 शिकारियों को गिरफ्तार किया, वहीं 2 फरार हैं। वन विभाग द्वारा इस घटना को गंभीर अपराध मानते हुए तत्काल उच्च अधिकारियों को सूचित किया गया। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारी एवं फील्ड स्टाफ मौके पर पहुंच कार्यवाही की। वन विभाग द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल का गठन किया गया, जिसने तीरथगढ़, पैदावाड़ा दरभा एवं कोटमसर गांव सहित आसपास के इलाकों में जानकारी ली। जांच के दौरान मुखबिरों की सूचना पर तीरथगढ़ के पटेलपारा से दो व्यक्तियों को पकड़ा गया।

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद पुलिस ने आरोपियों पर दर्ज की एफआईआर

वाहन हुए जब्त, गिरफ्तारी की तैयारी

बिलासपुर,22 जुलाई 2025(ए)। लग्जरी कारों के काफिले के साथ नेशनल हाईवे को जाम कर रील बनाने के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया और कड़ी नाराजगी जताते हुए राज्य शासन और पुलिस से सवाल पूछा है कि इन युवकों की महंगी गाड़ियां जब्त क्यों नहीं की गई, और अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं हुई? कोर्ट की इस सख्ती के बाद पुलिस ने देर रात आनन-फानन में वाहनों की जब्ती कर ली। आरोपियों की गिरफ़्तारी भी शुरू कर दी गई है।

विष्णुदेव साय ने दी नवलीन को बधाई...

» छत्तीसगढ़ की उभरती प्रतिभा को मिलेगा हरसंभव सहयोग

रायपुर,22 जुलाई 2025(ए)। खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के हर खिलाड़ी को उसकी मेहनत, लगन और क्षमता के अनुरूप अवसर, संसाधन और मंच उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने महासमुंद जिले की नवोदित तीरंदाज नवलीन कौर को आगामी राष्ट्रीय खेलों में तीरंदाजी में स्थान बनाने पर बधाई और शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवलीन जैसी खिलाड़ी छत्तीसगढ़ के भविष्य की नींव हैं और सरकार उन्हें खेल के हर स्तर पर निखारने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगी।

चाची-भतीजे ने मिलकर एनजीओ संचालिका को मार डाला

सारंगढ,22 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में एक महिला ने अपने घर आई युवती को मार डाला। 19 जुलाई की रात शहर के चौहान पारा में प्रमिला अजय (31) की लाश मिली। 2 लोगों ने मिलकर युवती का गला घोंटा, दम घुटते तक तकिए से मुंह दबाए रखा। मामला कोतवाली क्षेत्र का है। आरोपी महिला ने नई आर्टिगा कार खरीदी थी, पैसों की जरूरत पड़ने पर उसने सरसीवां के रहने वाले किसी शख्स के पास गाड़ी गिरवी रखवाई थी। इसके एवज में पैसे लिए थे। 50 हजार के लेनदेन का मामला अटका था। प्रमिला इसकी गवाह थी। 19 जुलाई को वह पैसे के मामले में ही महिला के घर गई थी, जहां महिला ने अपने भतीजे संग मिलकर उसकी हत्या कर दी।

कांग्रेस का राज्यव्यापी आर्थिक नाकेबंदी प्रदर्शन

शहर-शहर गूंजा ईडी-सीबीआई हटाओ...राज्य बचाओ

रायपुर,22 जुलाई 2025(ए)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी पर ईडी के विरोध में आज प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी के दौरान कांग्रेस के नेताओं-कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह देखने को मिला. दो घंटे के इस विरोध-प्रदर्शन के दौरान शहरों में नेशनल हाईवे से लेकर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर मालवाहकों की आवाजाही रोक दी गई.

बात करें राजधानी की तो अलग-अलग जगहों पर आर्थिक नाकेबंदी के लिए कांग्रेस ने पहले से ही नेताओं को जिम्मेदारी दे रखी है. मैग्नेटो मॉल के पास हाइवे पर जहां शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे के नेतृत्व में मालवाहकों को रोका जा रहा है , तो वहीं विधानसभा रोड सकरी में नारायण कुर्रे व पप्पू बंजारे के नेतृत्व में, दिलबाग ढाबा के पास,साकरा में सांसद छाया वर्मा व अनीता योगेंद्र शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं.

वहीं अभनपुर मोहन ढाबा के पास जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू के नेतृत्व में, आरंग रसनी के पास पूर्व विधायक शिवकुमार डहरीया के नेतृत्व में,तिल्दा के दीनदयाल उपाध्याय चौक में कांग्रेस प्रवक्ता शैलेश नितिन त्रिवेदी के नेतृत्व में और बुडेरा आजाद चौक के पास खरोरा में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन में जुटे हैं. वहीं बिलासपुर में कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता पेंड्रीडीह के पास बिलासपुर-रायपुर मार्ग (एनएच-130) पर प्रदर्शन कर रहे हैं. नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, विधायक अटल श्रीवास्तव, दिलीप लहरिया सहित बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही.

महासमुंद जिले में चार स्थानों पर चक्काजाम

महासमुंद कांग्रेस कमेटी ने जिले के चार जगहों (एनएच 53 पर घोड़ारी में, एनएच 53 पर तुमगांव में, एनएच 53 पर सरायपाली मे घंटेश्वरी मंदिर के पास और एनएच353 पर टेमरी के पास) पर चक्काजाम किया. घोडारी में जहां पूर्व विधायक विनोद चन्द्राकर आंदोलनकारियों का नेतृत्व कर रहे थे, तो वहीं तुमगांव में जिला अध्यक्ष रश्मि चन्द्राकर, सरायपाली में विधायक चातुरी नंद और टेमरी में विधायक द्वारिकाधीश यादव के नेतृत्व में चक्काजाम किया.

कुसुमकसा तिराहा चौक पर किया चक्काजाम

बालोद जिला में कांग्रेस ने आज राजनांदगांव-बालोद-दल्ली राजहरा मुख्यमार्ग कुसुमकसा तिराहा चौक पर चक्काजाम किया. कांग्रेसियों का आरोप हैं कि सत्ता में बैठी सरकार विपक्ष का आवाज दबाने ईडी और सीबीआई का सहारा ले उन्हें परेशान कर रहीं हैं. चक्कजाम में क्षेत्रीय विधायिका अनीला भेड़िया, संजारी बालोद विधायिका संगीता सिन्हा मौजूद हैं.

रायपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग किया जाम

कांग्रेस पार्टी के प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी आंदोलन के तहत कवर्धा में आज जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिला. रायपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-30) पर कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बीच सड़क पर तंबू गाड़ कर चक्काजाम कर दिया. इस दौरान यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है. प्रदर्शनकारियों ने ईडी-सीबीआई हटाओ,अडानी भगाओ, राज्य बचाओ जैसे नारे लगाए. यह चक्का जाम दोपहर 2 बजे तक जारी रहने की संभावना है। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और कोई अप्रिय घटना न हो. यातायात प्रभावित होने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बिलासपुर में कांग्रेस का राज्यव्यापी चक्काजाम नेशनल हाईवे पर किया प्रर्दशन

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के खिलाफ कांग्रेस ने प्रदर्शन जारी रखा है। बस्तर से सरगुजा तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम किया। प्रदेश भर में आर्थिक नाकेबंदी की गई। इसी कड़ी में बिलासपुर के पेंड्रीडीह हरदी स्थित बिलासपुर रायपुर नेशनल हाइवे में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की उपस्थिति में सैकड़ो कार्यकर्ताओ ने प्रदर्शन किया।

शराब घोटाला केस में चैतन्य बघेल को 14 दिन की जेल

छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाला मामले में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने मंगलवार को चैतन्य बघेल को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इससे पहले ईडी ने उनसे 5

दिन तक पूछताछ की थी।चैतन्य बघेल को न्यायिक रिमांड में भेजे जाने के बाद पूर्व सीएम भूपेश सरकार ने सरकार पर हल्ला बोला है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा,राजनीतिक लड़ाइयां चुनाव में लड़ी जानी चाहिए, जांच एजेंसियों से नहीं। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रतिक्रिया दी,यह केंद्र सरकार और ईडी के गाल पर तमाचा है। उन्होंने कहा कि ईडी भाजपा की शाखा बन गई है और विपक्ष को निशाना बना रही है। बघेल ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि ईडी अपना काम करे,और राजनीति को राजनीतिक दलों पर छोड़ दे।

छत्तीसगढ़ प्रगति का हकदार है,भूपेश के भ्रष्टाचार छुपाने के लिए नाकाबंदी का नहीं

2018 से 2023 तक, छत्तीसगढ़ के लोगों ने बहुत कुछ सहा है। भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार घोटालों, ठहराव और अवसरों की बर्बादी से भरी रही। राज्य भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया,जहाँ कम से कम सात बड़े घोटाले सामने आए–जिनमें कुख्यात ₹2,000 करोड़

का शराब घोटाला भी शामिल है। प्रवर्तन निदेशालय ने एक आपराधिक गिरोह का पर्दाफाश किया जो राजनीतिक समर्थन से संचालित होता था,जन स्वास्थ्य से समझौता करता था और सरकारी खजाने को लूटता था। छत्तीसगढ़ की समृद्ध खनिज और कृषि क्षमता के बावजूद, कांग्रेस शासन सार्थक औद्योगिक निवेश आकर्षित करने में विफल रहा। रोज़गार सृजन ठप रहा, बुनियादी ढाँचा सुस्त रहा और युवा निराश रहे। विकास को बढ़ावा देने के बजाय,प्रशासन लोकलुभावन नाटकों और कुशासन में लिप्त रहा और अपने पांच साल के शासन में बघेल कोई भी नया निवेश आकर्षित कर नहीं पाए। यंहा तक की अन्य प्रगतिशील सरकारों से सिख लेकर पांच सालों में एक भी इन्वेस्टर्स समिट भी संयोजित नहीं कर पाए। बघेल के भ्रष्टाचार पर ईडी के प्रहार से बचाने के लिए और अपनी प्रासंगिकता पुनः प्राप्त करने के एक हताश प्रयास में,कांग्रेस पार्टी कोई स्पष्टीकरण देने के बजाये बीजेपी सरकार को ही कठेरे में खड़ा करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस की अंदर की ही फुट के कारण जब बात बन पा नहीं रही है तो बघेल ने 22 जुलाई को छत्तीसगढ़ के कुछ संभाग में आर्थिक नाकेबंदी का आह्वान कर दिया है।

छत्तीसगढ़ को लूटने वाले कांग्रेसी सच्चाई सामने आने पर बौखलाहट में उतरे सड़क पर : सांसद बृजमोहन

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस द्वारा किए गए चक्काजाम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि कांग्रेस अब केवल ढकोसले की राजनीति कर रही है। जिन लोगों ने सत्ता में रहते हुए छत्तीसगढ़ को लूटने का काम किया, वे आज सच्चाई सामने आने पर बौखलाहट में सड़क पर उतरे हैं।

कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी फ्लॉप

कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी पर एकात्म परिसर में भाजपा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर निशाना साधा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा,कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी फ्लाप रही। आर्थिक नाकेबंदी को छत्तीसगढ़ की जनता ने नकार दिया है। भ्रष्टाचारियों का जनता समर्थन नहीं करती है। ये दिवालियापन का इससे बड़ा उदाहरण नहीं हो सकता। डिप्टी सीएम साव ने कहा,कांग्रेस पार्टी ने आरोपी के समर्थन में नाकेबंदी की।

ढाई साल से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली

40 हजार से ज्यादा मामले लंबित...

रायपुर, 22 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ का सूचना आयोग पूरी तरह से बिना नेतृत्व के, चरमराई हुई स्थिति में पहुंच चुका है। ढाई साल से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली है। आयोग में केवल एक सूचना आयुक्त से ही आयोग संचालित हो रहा है। 40 हजार से ज्यादा मामले लंबित हैं,और सुनवाई की लगभग ठप हो चुकी है। नवंबर 2022 में तत्कालीन मुख्य सूचना आयुक्त एमके राउत के रिटायरमेंट के बाद से अब तक इस महत्वपूर्ण पद पर कोई नियुक्ति नहीं हुई। दिसंबर 2024 में सरकार बदलने के बाद दो सूचना आयुक्त रिटायर्ड आईएएस एनके शुक्ला और आलोक चंद्रवंशी की नियुक्ति की गई, लेकिन उम्र संबंधी कारणों से शुक्ला जल्द रिटायर हो गए,और अब आलोक चंद्रवंशी अकेले सूचना आयोग की पूरी ज़िम्मेदारी संभाल रहे हैं। आयोग में तीन सूचना आयुक्तों के पद हैं और चार कोर्ट बनाये गए हैं। सिर्फ एक ही कोर्ट संचालित हो पा रहा है। यदि आलोक चंद्रवंशी अवकाश पर जाते हैं या अस्वस्थ हो जाते हैं, तो पूरी सुनवाई प्रक्रिया ठप हो जाती है।

मामले निपटाने में लगेंगे सालभर

आयोग में लंबित मामलों की संख्या 40,000 पार कर चुकी है। यह आंकड़ा उत्तर प्रदेश,बिहार और मध्यप्रदेश जैसे बड़े राज्यों से भी ज्यादा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन मामलों को निपटाने में कम से कम 10 सूचना आयुक्तों को भी सालभर लग जाएगा।

नियुक्ति प्रक्रिया पर कोर्ट की रोक

सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए इंटरव्यू हो चुका है और पैनल भी तैयार है,लेकिन चयन प्रक्रिया को लेकर हाई कोर्ट में याचिका लंबित है। 25 साल के अनुभव की शर्त को लेकर विवाद के चलते बिलासपुर हाई कोर्ट में सुनवाई रुकी हुई है। सामान्य प्रशासन विभाग दो महीने से सुनवाई की तारीख का इंतजार कर रहा है।

जनसूचना अधिकारियों की मनमानी

आयोग की निष्क्रियता का सीधा असर जनसूचना अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर पड़ा है। जुर्माने और जवाबदेही के डर के बिना अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। कई विभागों में सूचना देने से इनकार करने या टालने की प्रवृत्ति बढ़ी है, क्योंकि आयोग से उन्हें किसी कार्रवाई का डर नहीं है।

सेंध और झांझ जलाशयों की तबाही पर वेटलैंड प्राधिकरण सख्त

कोर्ट में शिकायत के आदेश,कई अफसरों की फंसेगी गर्दन

रायपुर,22 जुलाई 2025(ए)। नया रायपुर के सेंध और झांझ जलाशय की रिपोर्ट में गंभीर अनियमिततायें पाए जाने के कारण छत्तीसगढ़ राज्य वेटलैंड अथॉरिटी ने अध्यक्ष जिला वेटलैंड संरक्षण समिति रायपुर को दोनों जलाशयों में प्रतिबंधित कार्य करवाने के कारण पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के तहत सक्षम न्यायालय में शिकायत/परिवाद दायर करने के निर्देश दिए हैं। जिला वेटलैंड संरक्षण समिति के अध्यक्ष,जिला कलेक्टर होते हैं। पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम के तहत कोर्ट में शिकायत/परिवाद दर्ज कराने के लिए कलेक्टर को अधिकृत किया गया है। गौरतलब है कि पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत 5 वर्ष की सजा या रुपए 1 तक लाख का फाइन या दोनों का प्रावधान है। सेंध और झांझ जलाशय में नया रायपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी ने क़ानून का उलंघन कर करोडों के कार्य करवाए हैं। वेटलैंड प्राधिकरण ने रायपुर के ईएनटी विशेषज्ञ एंव सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राकेश गुप्ता के पत्र का हवाला देते हुए आदेश में लिखा है कि कलेक्टर रायपुर द्वारा दिनाक 02.05.2025 को दी गई जांच रिपोर्ट के गहन अवलोकन एवं परिशीलन से स्पष्ट है कि सेंध और झांझ जलाशय में पाथवे निर्माण, चौपाटी एवं अन्य गतिविधियों वेटलैंड रूल्स और मार्गदर्शिका के अंतर्गत प्रतिबंधित गतिविधियों की है जो की दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

पेट दर्द का इलाज कराने पहुंची 12वीं की छात्रा थी प्रेग्नेंट

3 महीने की छुट्टी के बाद हॉस्टल लौटी थी... बीजापुर ट्राइबल डिपार्टमेंट मौन...

बीजापुर,22 जुलाई 2025 (ए)। बीजापुर के ट्राइबल डिपार्टमेंट के हॉस्टल में पढ़ने वाली 12वीं की छात्रा के प्रेग्नेंट होने का मामला सामने आया है। वह 3 महीने की छुट्टी के बाद हॉस्टल ज्वाइन की थी। छात्रा को पेट में दर्द और चक्कर आने की शिकायत के बाद एडमिट कराया गया। जांच में पता चला है कि वह 4 महीने की गर्भ से है। मामला बीजापुर-भोपालपटनम विकासखंड का है। छात्रा यही के आश्रम में पढ़ती थी। इलाज के बाद डॉ गोपी ने छात्रा को जिला अस्पताल बीजापुर रेफर कर दिया। फिलहाल जिला अस्पताल में डॉक्टरों की देखरेख में इलाज जारी है। इधर विभाग इस मामले में पूरी तरह से मौन है, अधीक्षिका एक दूसरे पर आरोप लगा रहे।

सत्यापन के बाद पात्र परिवारों को दी जाएगी पीएम आवास की मंजूरी

धमतरी, 22 जुलाई 2025(ए)। जिला प्रशासन ने युवक के सुसाइड की कोशिश मामले में बयान जारी किया है, कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास प्लस सर्वे सूची 2.0 में शामिल हितग्राही परिवारों को सत्यापन के उपरांत नियमानुसार आवास की स्वीकृति दी जाएगी। सर्वे सूची में शामिल हितग्राही परिवार के सदस्यों को इस बात को लेकर न तो चिंता करने की जरूरत है और न ही व्यग्र होने की जरूरत है। कलेक्टोरेट परिसर धमतरी में आज पीएम आवास स्वीकृति के मामले में बिलंब को लेकर ग्राम डोमा के करण सोनवानी द्वारा आत्मदाह किए जाने के प्रयासों को लेकर जिला प्रशासन ने यह बात कही है।

अगर आप भी करना चाहते हैं नकली दवाओं और कॉस्मेटिक्स की शिकायत,इस नंबर पर करें कॉल

रायपुर,22 जुलाई 2025(ए)। राज्य में नकली दवाओं, अवैध कॉस्मेटिक उत्पादों और नशीली दवाओं के गोरखधंधे पर लगाम कसने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया,जिसके तहत औषधि निरीक्षकों की टीमों ने कई जिलों में सघन छापेमारी कर बड़ी मात्रा में नकली और बिना लाइसेंस उत्पादों को जब्त किया। रायपुर जिले में ड्रग विभाग की टीम ने भाटागांव स्थित लक्ष्मी इंटरप्राइजेज पर कार्रवाई की, जहां बिना किसी वैध लाइसेंस के फिनाइल और

हैंडवॉश बनाए जा रहे थे। करीब 4.5 लाख रुपये की अवैध सामग्री जब्त की गई। इसी तरह गुढ़ियारी स्थित शोला इंडस्ट्रीज में भी बिना लाइसेंस साबुन और हैंडवॉश बनाने की पुष्टि हुई, जहां से लगभग 2 लाख रुपये की कच्चा माल, कंटेनर और पैकेजिंग सामग्री जब्त की गई। डूमरतराई स्थित औषधि वाटिका में चल रही मेसर्स वेनोर दवा इकाई में नारकोटिक दवाओं के रिकॉर्ड में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। निरीक्षण के दौरान कुछ फर्जी प्रिस्क्रिप्शन भी बरामद हुए, जिसके आधार पर फर्म को नोटिस जारी किया गया है। यदि आपको भी नकली दवाओं,कॉस्मेटिक्स या नशीली दवाओं के अवैध कारोबार की कोई जानकारी हो, तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 93405-95097 पर सूचित करें।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)